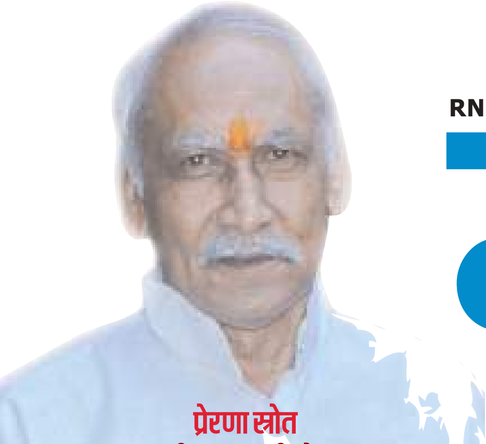

प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-04, अंक - 49 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 08 सितम्बर 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

राजनीति में हिस्सा ना लेने का सबसे बड़ा दंड यह है कि अयोग्य व्यक्ति आप पर शासन करने लगता है

डॉ. भीमराव अंबेडकर

युवती को बरामद करने पहुँची पुलिस पार्टी पर ग्रामीणों का हमला

पथराव में पुलिस कर्मी हुआ घायल

माही की गूंज। रतलाम।

पुलिस दल सामान्य तरीके से ही युवती को बरामद करने गए दल पर ग्रामीणों ने हमला कर पथराव शुरू कर दिया। मामला जिले के बाजना पुलिस थाने के अंतर्गत गांव रतनगढ़पीठ का है। जहा युवती को बरामद करने गई पुलिस पार्टी पर ग्रामीणों द्वारा हमला और पथराव करने का किया। गाव में पहुँची पुलिस टीम पर ग्रामीण अचानक ही उग्र हो गए और पुलिस से विवाद करने लगे। मामला बढ़ा तो पुलिस ने कुछ सख्ती दिखाई। इसके बाद ग्रामीण और ज्यादा उग्र हो गए और उन्होंने पुलिस के साझ झूमाझटकी करते हुए पथराव कर दिया। फिलहाल पुलिस ने आधा दर्जन लोगों पर शासकीय कार्य में बाधा का केस दर्ज कर लिया है। अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

एक पुलिसकर्मी घायल हुआ

पुलिस थाना बाजना के टीआई आरएस बर्डे को जब युवती के अपहरण की जानकारी परिजनों ने दी तो उन्होंने इसे त्वरित रूप से संज्ञान लेते हुए पुलिस बल को गांव जाने के लिए तैयारी करने को कहा। रात में पुलिस के आधा दर्जन जवानों के साथ स्वयं ही गांव जाने का फैसला किया। पुलिस की गाड़ी लेकर टीआई बर्डे दल के साथ गांव पहुंचे तो वहां ग्रामीणों से उनका विवाद हो गया। विवाद इतना बड़ा कि ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। पुलिस ने सख्ती की तो ग्रामीण खेतों में भाग गए। पथराव में एक जवान को चोंटे आई है। पुलिस ने करीब आधा दर्जन लोगों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा का केस दर्ज कर लिया है।

सगाई हो गई थी लडक़ी की

जिस युवती को पुलिस बरामद करने के लिए रतगनढ़ पीठ पहुंची थी उसके परिजनों ने पुलिस को शिकायत की थी कि उनकी लडक़ी को रतनगढ़ पीठ निवासी एक परिवार ने रास्ते से अगवा कर लिया है। इस युवती की उसी परिवार में सगाई हो गई थी किंतु सगाई का मामला फिलहाल अटका हुआ था। इसी दौरान मंगलवार की शाम को रतलाम से बाजना आने के दौरान युवती को इन लोगों ने रोक लिया और अपने घर ले गए थे।

शुरू हुई कांग्रेस की 'भारत जोड़ो' यात्रा

नईदिल्ली एजेंसी।

तमिलनाडु के कन्याकुमारी से कांग्रेस के महत्वाकांक्षी सफर 'भारत जोड़ो यात्रा' की शुरुआत हो गई है। 3 हजार 570 किमी लंबी यह यात्रा पांच महीनों में 12 राज्यों से होकर गुजरेगी। राहुल गांधी के साथ कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता इस यात्रा में भाग ले रहे हैं। यात्रा शुरू करने से पहले राहुल गांधी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के शहीद स्मारक पर पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि दी। यात्रा के दौरान राहुल गांधी के साथ राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भुपेश बघेल मौजूद थे।

रोज तय करेंगे 23 किमी का सफर

योजना के मुताबिक यह पदयात्रा दो सत्र में चलेगी। पहली शिफ्ट में सुबह साढ़े 10 बजे यात्रा शुरू होगी और दोपहर में साढ़े तीन बजे। एक दिन में 22 से 23 किमी की दूरी कवर करने की योजना है। इस यात्रा में अलग-अलग राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले 117 कांग्रेस नेता शामिल होंगे। वहीं कांग्रेस के कार्यकर्ता भी मार्च करेंगे।

कंटेनर में सोएंगे राहुल गांधी

इस यात्रा के लिए 60 कंटेनर तैयार किए गए हैं। 150 दिनों की इस यात्रा में राहुल गांधी भी कंटेनर में सोएंगे। विश्राम के समय एक गांव के आकार में इन कंटेनरों को लगा दिया जाएगा। कुछ कंटेनर में एयर कंडीशनर भी लगाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक यात्रा में शामिल लोग स्थानीय भोजन करेंगे। गांव के लोग भोजन भी तैयार करेंगे। वहीं सभी यात्रा साथ में खाना खाएंगे। कोई भी नेता होटल में नहीं रुकेगा।

भाजपा ने बताया परिवार बचाने की यात्रा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' को उसका 'छलावा' करार दिया और दावा किया कि यह प्रमुख रूप से 'परिवार को बचाने' का अभियान है ताकि देश की सबसे पुरानी पार्टी पर नियंत्रण बरकरार रहे। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यहां संवादाताओं को संबोधित करते हुए यह दावा भी किया कि यात्रा के जरिए अपने पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को नेता के रूप में स्थापित करने का कांग्रेस का यह एक और प्रयास है।प्रसाद ने यह कहते हुए राहुल गांधी पर तंज भी कसा कि जो व्यक्ति अपनी पार्टी को नहीं जोड़ सका, जो अक्सर विदेश चला जाता है और जिसे अध्यक्ष बनाए जाने के लिए कांग्रेस में एक 'दरबारी गायन' होता है, वह भारत जोड़ो यात्रा पर निकला है।

मिशन 2023: कमलनाथ ने विधायकों-पूर्व मंत्रियों को दिया अल्टीमेटम

भोपाल। मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव का को लेकर प्रदेश की सियासत तेजी से बदल रही है। दोनों ही मुख्य पार्टियां अपने संगठन के हिसाब से काम कर रहीं हैं। इन्हीं तैयारियों के बीच पीसीसी अध्यक्ष कमलनाथ हर एक कार्यक्रम पर नजर बनाए हुए हैं जबकि संगठन में अब तक कई अहम बदलाव भी कर चुके हैं। कमलनाथ ने चुनाव को देखते हुए अब अपने ही विधायकों को अल्टीमेटम दिया है।

कमलनाथ ने अपने सभी विधायक और पूर्व मंत्रियों की जमीनी पकड़ को मजबूत करने के लिए टास्क सौंप दिया है। जिसके लिए सभी को 6 महीने अपने क्षेत्र की जनता के बीच रहना होगा। जहां ये पता लगाना होगा कि उनके क्षेत्र की समस्याएं क्या है और क्षेत्र के मूल मुद्दों पर क्या किया जा सकता हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी समस्याओं को लेकर कांग्रेस विधायकों को सड़क से लेकर सदन तक आवाज उठानी होगी।

जानकारों की मानें तो कमलनाथ ने सभी विधायकों को उनके क्षेत्र में एक्टिव होने के निर्देश इसलिए दिए हैं ताकि 2023 तक हर एक विधानसभा सीट पर खुद को मजबूत किया जा सके। ऐसा माना जा रहा है कि कांग्रेस के कुछ विधायक और पूर्व मंत्रियों की जमीनी पकड़ से कमलनाथ चिंतित है। ऐसे में उन्होंने विधायकों को जमीनीस्तर पर काम करने और जनता से सीधा जुड़ने के निर्देश दिए हैं।

जानकारों का कहना है कि, यह कोई पहला मौका नहीं है जब कमलनाथ ने अपने ही विधायकों को इस तरह का निर्देश दिया है। बल्कि इसके पहले भी वह विधायकों को अलर्ट रहने के आदेश दे चुके हैं। वहीं इसे लेकर पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि 6 महीने नहीं बल्कि हमें चुनाव तक जनता के बीच रहना है। हम लोगों के बीच जाएंगे तभी जनता की आवाज बन पाएंगे और हमारी जमीनी स्थिति और मजबूत होगी।

करोड़ों की सोने की छड़ें जब्त, मुंबई से जुड़े तस्करी के तार

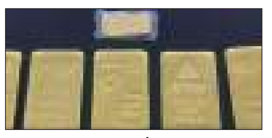

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में कमिश्नर प्रणाली लागू होने में बाद भी बदमाशों को किसी भी तरह का डर नहीं है। हौसले इतने बुलंद है कि कुछ भी करने से पहले जरा भी प्रशासन का खौफ नहीं दिखता। ऐसा ही कुछ इंदौर में हुआ जहां राजस्व खुफिया निदेशालय ने 3.72 करोड़ रुपये कीमत की विदेशी मूल की सोने को जब्त किया है जिसका वजन 7.1 किलोग्राम बताया जा रहा है। और तस्करी के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

डीआरआई की टीम को सूचना मिली थी कि, सोने की तस्करी करने वाले कुछ लोग कार से मुंबई से इंदौर के लिए निकले हैं। और इसी सूचना के आधार पर डीआरआई की टीम ने जब ए बी रोड पर एक कार को रुकवाया और उसकी तलाशी ली तो उसमे 7.1 किलो सोना डिक्की में छुपा देखा।

जिसके तुरंत बाद ही डीआरआई की टीम ने सोने को जब्त कर तस्करों को गिरफ्तार किया है। वहीं बताया जा रहा है कि आरोधियों से पूछताछ करने के बाद मुंबई के एक सोना व्यापारी को भी गिरफ्तार किया गया है। डीआईआई के एक अधिकारी ने बताया कि 30 अगस्त को इंदौर के पास मुंबई-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो लोगों के साथ एक कार को रोका था। वाहन की जांच के दौरान वाहन से 7.1 किलोग्राम वजन की विदेशी मूल की सोने की आठ छड़ें मिलीं। जिसके बाद कार सवार दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

गाजियाबाद में होगा धर्म संसद का आयोजन

लखनऊ, एजेंसी। हरिद्वार में हुई धर्म संसद विवादित बयानों की वजह से चर्चा में थी। अब इसके एक साल बाद गाजियाबाद के डासना मंदिर में बड़ी धर्म संसद का आयोजन होने जा रहा है। जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी यति नरसिंहानंद के मुताबिक 17 और 18 दिसंबर को शिव शक्ति धाम डासना में यह धर्म संसद आयोजित होगी।

सह आयोजक यति नरसिंहानंद ने कहा, हम संतों और हिंदू जानकारों व अध्यात्मिक गुरुओं को निमंत्रण पत्र भेज रहे हैं। बता दें कि स्वामी नरसिंहानंद भी वसीम रिजवी के साथ ही हरिद्वार हेट स्पीच मामले के आरोपी हैं। उन्हें 14 जनवरी को सर्वानंद गंगा घाट से गिरफ्तार कर लिया गया था। उस दौरान वह वसीम रिजवी की गिरफ्तारी के विरोध में धरना दे रहे थे। हेट स्पीच मामले में यति नरसिंहानंद को 7 फरवरी को जमानत मिली थी।

धर्म संसद से हुआ था मोहभंग

खास बात यह है कि, इसी वर्ष मई में स्वामी नरसिंहानंद ने कहा था कि वह भविष्य में इस्लामिक जिहाद के विरोध में किसी धर्म संसद का आयोजन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा था कि अखाड़ा परिषद और बहुत सारे संत

उनके समर्थन में आवाज नहीं बुलंद कर रहे हैं जिससे वह बहुत दुखी और निराश हैं। उन्होंने कहा था कि कम से कम संतों को उनके समर्थन में बोलना चाहिए। इसी बात से खिन्न होकर उन्होंने धर्म संसद में सक्रिय सहभागिता ना करने की बात कही थी।

पिछले वर्ष वेद निकेतन आश्रम हरिद्वार में धर्म संसद का आयोजन किया गया था। यहां मुस्लिम समुदाय के खिलाफ दिए गए बयानों को लेकर विवाद पैदा हो गया था। 23 दिसंबर को उत्तराखंड पुलिस ने जितेंद्र नारायण त्यागी (वसीम रिजवी) और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। यति नरसिंहानंद ने ही वसीम रिजवी का धर्मांतरण करवाया था। 10 दिन के बाद ही दूसरी एफआईआर दर्ज हुई। इसमें यति नरसिंहानंद का भी नाम शामिल था।

हरे-भरे पेड़ों को काटने, बिजली को क्षति पहुंचाने के साथ कई घरों के उपकरण जलाने व पेड़ की चोरी करने वाले पर कोई मामला दर्ज है नहीं

लोगों के घरों में अंधेरा कर खुद के शनिराज ढाबे पर इन्वेटर की लाईट में बेचता रहा मास और अवैध शराब

माही की गूंज, खवासा।

शिवराज है तो सब मुमकिन है, जी हां शिवराज सरकार में माफिया जो भी करें, वह सब सही और उनकी दबंगई व उनके हर अनैतिक कार्य को हरी झंडी दी जाना शिवराज सरकार में ही पुर्णतः संभव है।

जिसके एक नहीं अनेको उदाहरण हैं। बात करें अवैध शराब माफिया व अवैध शराब विक्रेताओं की तो यह सभी प्रशासनिक व अप्रशासनिक व्यक्तियों के लिए दूध देती गाय होते है। इसलिए यह अवैध शराब का कारोबार करने वाले कुछ भी अपने निजी स्वार्थ के लिए अनैतिक या गलत कार्य करें और उसमें आम-जन को कुछ भी हानि हो या फिर कितनी भी परेशानी हो पर किसी भी तरह से प्रशासनिक अधिकारियों को कोई लेना-देना नहीं होता है। अपने आप को इन माफियाओ के आगे गिरवी रख, गांधीजी के तीन बंदर की तर्ज पर गूंगे, बहरे और अंधे बन आम लोगों को गुमराह करने में कोई कसर नहीं छोड़ते है।

ऐसा ही एक और मामला खवासा में ही देखने को मिला। जहां वृक्षारोपण व हरे-भरे वृक्ष को बचाने के लिए कई दावे सरकार व प्रशासन की और से किए जाते हैं पर हकीकत कुछ और ही है। खवासा के थांदला मार्ग पर ओमप्रकाश राठौर के शनिराज ढाबे के आगे सड़क किनारे एक बड़ का और एक सिशम के हरे-भरे दो पेड़ थे। ओमप्रकाश राठौर अपने ढाबे पर मांस-मदिरा का अवैध विक्रय करता है। जिसने अपने निजी स्वार्थ के लिए दोनों पेड़ों को जमीदोज करने के लिए पहले तो दोनों पेड़ों की टहनियो को कटावाया गया। वही शनिवार को अंधेरा होते ही मजदूरों के द्वारा कुल्हाड़ी से पहले बड़ के पेड़ को जमीनदोज किया।

जैसे ही बड़ का पेड़ गिरा, वह बिजली सप्लाई करने वाली मुख्य केबल पर गिरा और बिजली की चिंगारीयों के साथ लाईट फाल्ट होकर कई घरों के व्यवसायिक व घरेलु बिजली उपकरण में धूआ निकलकर जलकर खराब हो गये।

मोहल्लेवासियों ने की रिपोर्ट दर्ज, पर जवाबदार गांधीजी के तीन बंदर की तरह मौन

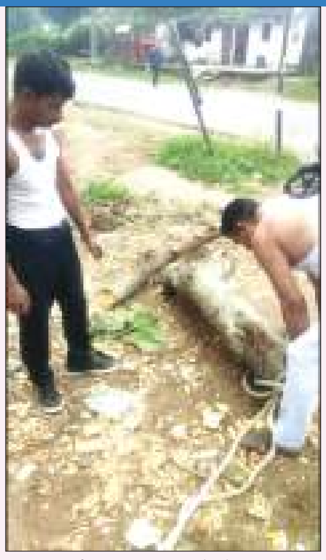

थांदला मार्ग के रहवासियों ने सामूहिक रूप से पुलिस चौकी, बिजली विभाग व ग्राम पंचायत में लिखित शिकायत के साथ रिपोर्ट दर्ज की है। रिपोर्ट में बताया कि, थांदला रोड पर शनिराज ढाबे पर मास व अवैध शराब का विक्रय होता है। अपने निजी स्वार्थ के लिए शनिराज होटल का संचालक ओमप्रकाश राठौर ने शनिवार को अंधेरा होते ही मजदूर के माध्यम से कुल्हाड़ी से सीशम व बड़ के पेड़ को काट रहा था, तो कुछ लोगों ने हरे-भरे पेड़ को काटने से मना करने पर ओमप्रकाश राठौर ने पीडब्ल्यूडी विभाग, फॉरेस्ट विभाग, बिजली विभाग, पुलिस एवं पंचायत सभी से परमिशन लेकर दोनों हरे-भरे पेड़ काटने की बात कही। जैसे ही बड़ का पेड़ काटा तो विद्युत सप्लाई की मुख्य केबल पर बड़ का पेड़ जाकर गिरा वैसे ही बिजली फाल्ट होकर कई घरों के बिजली के उपकरण जलकर खराब हो गए। तो दूसरा पेड़ सीशम को नहीं काट पाया। मोहल्लेवासियों ने रिपोर्ट में कहा कि, अगर ओमप्रकाश राठौर द्वारा परमिशन लेकर पेड़ को काटा गया तो बिजली विभाग से परमिशन क्यों नहीं ली...? जिस-जिस विभाग ने हरे-भरे पेड़ को काटने की वास्तविकता में परमिशन दी है, तो किस आधार पर परमिशन दी गई की जांच की जाए। अगर बिना परमिशन के साथ आम लोगों को गुमराह कर परमिशन का हवाला देकर हरे-भरे पेड़ को काटा गया है तो ओमप्रकाश राठौर के विरुद्ध हरे-भरे पेड़ को काटने, आम लोगों को गुमराह करने, बिजली उपकरण को क्षति पहुचाने के साथ ही पेड़ की चोरी करने के संबंध में सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही रहवासियों ने लिखित शिकायत देने के साथ पुलिस को कहा है कि, शनिराज होटल पर उक्त कार्रवाई के साथ अवैध शराब बिक्री को बंद कराया जाए।

उक्त शिकायत के बाद भी दूध देती गाय उर्फ अवैध शराब विक्रेता ओमप्रकाश राठौर के विरुद्ध अभी तक न पीडब्ल्यूडी विभाग, बिजली विभाग, फॉरेस्ट विभाग, ग्राम पंचायत किसी भी जवाबदार अधिकारी ने कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस ने भी कोई मामला लिखित रिपोर्ट आने पर भी दर्ज नहीं किया। पटवारी दिनेश राणा से बात हुई तो जरूर कहा, आज बुधवार को जानकारी मिलने पर ढाबे के संचालक ओमप्रकाश राठौर द्वारा ढाबे के आगे हरे-भरे पेड़ को कटवाया गया है, जो सही पाया गया। पेड़ काटने से बिजली केबल में. फाल्ट के साथ कुछ घरों में बिजली उपकरण भी खराब हुए हैं। जिसका पंचनामा भी बना दिया गया है गुरुवार को वरिष्ठ अधिकारियों को पंचनामा पेश कर दिया जाएगा।

क्या अवैध शराब विक्रेता एसपी या कलेक्टर है...? जिसकी बात मानकर चौकी प्रभारी ने नहीं किया मामला दर्ज

मामले में बिजली विभाग के कनिष्ठ यंत्री मुकेश परमार ने बताया कि, किसी प्रकार की कोई परमिशन बिजली बंद करने हेतु नहीं ली गई थी। आवेदन प्राप्त हुआ है, जिस पर जो भी कार्रवाई होगी करेंगे। अभी तक पुलिस को हमारी और से रिपोर्ट दर्ज नहीं करवाई है। यह बात सही है कि, ओमप्रकाश राठौर द्वारा पेड़ काटने से बिजली क्षति के साथ अन्य उपकरण खराब हुए हैं।

सचिव कांतिलाल परमार ने कहा कि, पंचायत से कोई परमिशन नहीं दी गई और परमिशन देने का अधिकार पंचायत का नहीं है।

रहवासी अशोक चौहान, मनीष नायक, मुकेश पाटीदार, हुकुम मालवीय आदि ने बताया कि, रात में पेड़ काटने के दौरान बिजली फाल्ट हो गई, जिसके कारण अंधेरे में रात गुजारनी पड़ी। वही शनीराज होटल पर इन्वेटर की लाईट में मजे से ओमप्रकाश राठौर अपने ढाबे पर मांस के साथ अवैध शराब बेचता रहा और मोहल्लेवासी रात भर परेशान होते रहे, यह तो गनीमत है कि, कोई भी जनहानि नहीं हुई।

चौकी प्रभारी जगन्नाथ कनास ने बताया कि, शनिराज ढाबे का संचालक ओमप्रकाश राठौर चौकी पर आया था और उसने कहा अभी कार्रवाई मत करना, मैं जाकर सभी से समझौता कर लूंगा। श्री कनास ने बताया आपसी में समझौते होने की बात ओमप्रकाश राठौर ने कही है इसलिए अभीतक मामला दर्ज नहीं किया।

चौकी प्रभारी की कही गई उक्त बात पर रहवासियों का कहना है कि, क्या अवैध शराब विक्रेता ओमप्रकाश राठौर चौकी प्रभारी के लिए एसपी या कलेक्टर है जो उसका निर्देश मानकर मामला दर्ज नहीं करने की बात कर रहे हैं।

पूरे मामले में देखा जाए तो एक मामूली सा अवैध शराब विक्रेता स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी के लिए दूध देती गाय ने हरे-भरे पेड़ काटने से लेकर लोगों को गुमराह करने, पेड़ को काट चोरी करने के साथ ही अपने अवैध शराब बिक्री का काम चालू होने के बाद सभी जवाबदार ने गांधीजी के तीन बंदर की तरह अंधा, बहरा और गूंगा बन लोगों को गुमराह कर रहे है। वहीं मामले में आगे यही देखने को रहेगा कि, राजस्व द्वारा बनाए गए पंचनामा, बिजली विभाग, पुलिस विभाग की और से पुलिस क्या कार्रवाई करती है...?

मंडल उपाध्यक्ष के बगावती सुर, 15 में से 5 वार्डों में मांग रहे अपने चहेतों के लिए टिकिट

भाजपा में दावेदारों की मची होड़, प्रभारी महामंत्री खंडेलवाल हुए परेशान

आप पार्टी की आमद का इशारा कर घिरे मण्डल उपाध्यक्ष गेहलोत

माही की गूंज, पेटलावद।

जैसे-जैसे नगर परिषद चुनाव की प्रक्रिया होती जा रही है, आये दिन नए-नए समीकरण बनते जा रहे है। जहा एक और एक्का-दुक्का वार्ड को छोड़ कर कांग्रेस से लड़ने वालों के नाम तक सामने नही आ रहे है, वही नगर में भाजपा के वर्चस्व को देखते हुए हर दूसरा नेता भाजपा की टिकिट हासिल करना चाहता है। यहां भाजपा के लिए हर वार्ड में एक अनार और दस बीमार जैसी स्थिति हो चली है। चुनाव प्रभारी बनाए गए जिला महामंत्री गौरव खंडेलवाल भी कार्यकर्ताओ के दावों के आगे पनाह मांग गए है। क्योंकि हर कोई यहां टिकिट मिलने पर बागी होकर मैदान में उतरने की धमकी दे रहा है।

सोशल मीडिया की इन दो पोस्टों के माध्यम आप पार्टी और गौतम ग्रुप के साथ मैदान में उतारने का इशारा करते नजर आए मंडल उपाध्यक्ष गौतम गेहलोत।

मण्डल उपाध्यक्ष गौतम गेहलोत के बगावती सुर, अचानक जागा भाजपा प्रेम

लगभग दो वर्ष पूर्व मण्डल अध्यक्ष बनाये गए समाजसेवी का चोला ओढे गौतम गेहलोत का अचानक भाजपा प्रेम जाग गया। मण्डल उपाध्यक्ष बनने के बाद ज्यादातर पार्टी के आयोजनों ओर पार्टी द्वारा दिये जा रहे कार्यो से दूरी बना कर रखी थी। लेकिन नगर परिषद में अपनी पैठ जमाने के लिए जिला पंचायत सदस्य के चुनाव में मैदान संभाला था। उनको उम्मीद थी कि, क्षेत्र क्रमांक 13 में भाजपा की जीत के बाद नगर की राजनीति में उनके झंडे गड़ेगे। लेकिन चुनाव आते ही उनके मुकालते दूर हो गए। चर्चा में है कि, चुनाव की घोषणा के साथ ही मडंल उपाध्यक्ष में नगर के 15 वार्डो में से 5 वार्डो में अपने सहित अपने चहेतों के लिए टिकिट की मांग की है। साथ ही तीन पूर्व पार्षदों के टिकिट काटने की शर्त पार्टी नेताओं के समक्ष रख दी। जिसे भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने सिरे से खारिज कर साफ कर दिया कि 5 तो ठीक सर्वे में आपका नाम नही आया तो आपको को भाजपा से टिकिट नही मिलेगा।

मंडल उपाध्यक्ष शर्त नही मानने पर सोशल मीडिया पर आम आदमी पार्टी के गठन की पोस्ट डाल कर सभी 15 वार्डो में खुद का पैनल उतारने के दावे भरने लगा, जिससे पार्टी में बची-कुची इज्जत भी खराब हो गई। इस विषय मे हमने मंडल उपाध्यक्ष से भी चर्चा करना चाहा लेकिन उन्होंने व्यस्त होने का हवाला देकर कोई बात नही की। बताया जा रहा है, गौतम गेहलोत के इस कदम से पार्टी बुरी तरह से नाराज़ है और अब पार्टी विरोधी होने का दावा कर उनकी शिकायत प्रदेश स्तर पर कर उनको पार्टी से निष्कासित करने की मांग कर रहे है।

साथ में रह कर भाजपा की पीठ में डालेंगे खंजर

जिस प्रकार के दावे सामने आ रहे है उससे साफ है कि, मण्डल उपाध्यक्ष की पांच टिकिट उनके हिसाब से नही होने और उनकी स्वयं की टिकिट होने के समझौते के बाद भी वो पार्टी के साथ दगा कर सकते है। क्योंकि कई वार्डो में प्रत्याशियों को चुनाव लडवाने का झांसा दे चुके है और नगर परिषद उपाध्यक्ष बनने की चाह में भाजपा की टिकिट से लड़ने वालो के विरुद्ध अपने लोगो को मैदान में उतरेंगे। कहा ये भी जा रहा है कि, गौतम खुल कर भाजपा के विरोध में उतर कर अपनी जड़ें जमाने की कोशिश कर रही आम आदमी पार्टी के बैनर पर पूरे 15 वार्डो में अपनी पैनल उतारेंगे। कहा ये भी जा रहा है कि, आम आदमी पार्टी अगर पूरी ताकत से उतरती है तो दिल्ली सहित प्रदेश के बड़े आप नेता यहां चुनावी सभा के लिये आएगे।

कई नेताओं ने लगाई फटकार

मंडल उपाध्यक्ष पद को छोडने का कई बार दावा कर चुके गौतम गेहलोत के इस रुप को देख कर नगर के कई वरिष्ठ नेताओं ने कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि, पूरा जीवन भाजपा को देने के बाद भी आज स्वयं की टिकिट के लिए लाइन में लगे है ओर पार्टी के आदेश का इंतजार कर रहे है। ऐसे में खुद की टिकिट की बात छोड़ कर 5 टिकिट मांगना सही नही है। ये निर्णय पार्टी की कोर कमेटी करेगी।

चुनाव प्रभारी जिला महामंत्री गौरव खंडेलवाल ने बताया कि, फिलहाल मेरे सामने ऐसी कोई शर्त उन्होंने नही रखी है लेकिन ऐसी चर्चाएं ओर आप पार्टी को लेकर की गई पोस्ट के स्क्रीन शाट मेरे पास है। भाजपा संगठन के माध्यम से कार्य करती है जिसको टिकिट दिया जाएगा उसको पूरी ताकत से चुनाव लड़वाया जाएगा।

तीन दिन में 66 पार्षद पद के दावेदारों ने लिए नामांकन, 12 सितंबर नामांकन दाखिल कराने की अंतिम तिथि

सबसे अधिक वार्ड क्रमांक 8 के लिए 11 नामांकन फॉर्म जबकि 13 नम्बर में अब तक एक भी नामांकन फार्म नही

- वार्ड क्रमांक 1 से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल करते पत्रकार वीरेंद्र भट्ट।

माही की गूंज, पेटलावद।

नगर परिषद चुनाव को घोषणा के बाद सोमवार से शुरु हुई नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया की शुरूवात होते ही वार्डो से नामांकन फार्म लेने वालों की भीड़ लगना शुरू हो गई है। यहां तीन दिन में नगर परिषद पेटलावद में पार्षद पद के कुल 66 नामांकन फार्म लिए जा चुके है। पहले दिन 15 तो दूसरे दिन 23 और तीसरे दिन 28 लोगो ने नामांकन फार्म खरीदे। यहां 12 सितंबर से पहले कुल 15 वार्डो में 100 से 150 लोगो के दावेदारी करने की सम्भवना है। यहां खरीदे गए नामांकन फार्म में सबसे अधिक 11 नामांकन फार्म अजा वर्ग के लिए आरक्षित वार्ड नम्बर 8 के लिए, लिए गए है। जबकि तीन दिन बाद में अजजा वर्ग के लिए आरक्षित वार्ड नम्बर 13 से अब तक कोई प्रत्याशी मैदान में नही आया है। ज्यादातर वार्डो में फिलहाल संख्या 4 से 5 तक हो गई है।

तीसरे दिन दो नामांकन फॉर्म हुए जमा

जैसे-जैसे नामांकन के लिए जरूरी दस्तावेज प्रत्याशियों को मिल रहे है नामाकंन दाखिल करने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। तीसरे दिन दो प्रत्याशियों ने अपने-अपने नामांकन निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जमा किए। जिसमें वार्ड क्रमांक 1 से पत्रकार वीरेन्द्र भट्ट ने तो वार्ड क्रमांक 8 से गोपाल परमार ने अपनी दावेदारी पेश की है। हालांकि कई प्रत्याशि अभी भी पार्टी से टिकिट की जोड़ जुगाड़ में लगे हुए है इसलिए जितनी तेज़ी से फार्म लिए जा रहे है वो जमा नही हो रहे है। 10 सितंबर तक दोनों ही मुख्य दलों के प्रत्यशियों की तस्वीर साफ होने की उम्मीद है।

15 को नाम वापसी, 27 को मतदान, 30 को घोषित होंगे परिणाम

नगर परिषद चुनाव के लिए प्रतयाशी 12 सितंबर तक नामांकन फार्म दाखिल कर सकेंगे। 13 सितंबर को नामांकन की जांच और 15 सितंबर तक फार्म वापस ले सकेंगे। नाम वापसी के बाद बजे उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। परिषद चुनाव के लिए 27 सितंबर को मतदान होना है जिसकी मतगणना के साथ चुनाव परिणामों की घोषणा की 30 सितंबर को की जाएगी।

धूमधाम से मनाया जा रहा गणेशोत्सव

माही की गूंज, थादला।

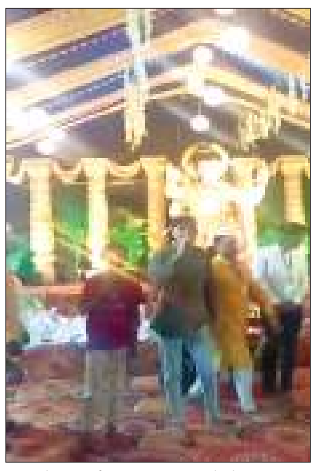

विघ्नहर्ता मंगल करता गजानन गणपति के लिए दरबार सजे हुए हैं। थांदला नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े-बड़े पंडाल और गणेशजी की मूर्तियां स्थापित की गई है। सेवा भारती एवं धार्मिक समितियों की ओर से गणेश उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है। नगर में गणेश उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसी के चलते प्रतिदिन शाम को 9 बजे सभी गणेश पंडालों पर आरती का आयोजन किया जा रहा है। गणेश पांडालों में धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों कार्यक्रमों की धूम मची हुई है। थादला में गणेश महोत्सव के हर दिन पंडालों में आरती के समय भक्तों की भीड़ देखी जा रही है। आरती के बाद धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम गरबा रास का आयोजन समिति द्वारा किया जा रहा है। नगर के राजापुरा, जवाहर मार्ग, पिपली चौराहा, गांधी चौक, ऋतुराज कॉलोनी, संजय कॉलोनी, वागड़िया फलिया आदि अन्य जगह गणेश उत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। महाआरती के बाद महा प्रसादी का वितरण भी किया जा रहा है, जिसमें कई भक्तजन अपनी ओर से साबूदाने की खिचड़ी, दूध, पोहा आदि का भक्त जनों में प्रसादी के रूप में वितरण कर रहे हैं। साथ ही पीपली चौराहे पर प्रतिदिन गणेश भक्त मंडल द्वारा दूध प्रसादी को साबूदाने की खिचड़ी की व्यवस्था अनुसार वितरण की जा रही है। देर रात तक सभी भक्तगण लाभ ले रहे हैं। सभी गणेश उत्सव समिति द्वारा भव्य पंडाल बनाए गए हैं।

सार्वजिक गणेश मंडल ने कवि सम्मेलन का किया आयोजन

माही की गूंज, पारा। स्थानीय रामायण मंडल द्वारा पारा बस स्टैंड पर सार्वजानिक गणेश मंडल द्वारा रोजाना मनोरंजक कार्य का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे बाल गोपाल बड चडकर भाग ले रहे है। चेयर्स रेस, मटकी फोड़, 1 मिन प्रतियोगिता व पारा के रामायण मंडल द्वारा भजन संधिया का आयोजन भी रखा गया। मंडल के गायक कलाकार संजय शर्मा के द्वारा बेहतरीन भजनों की प्रस्तुति दी गई। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी विराट कवि स्मेलन का कार्यक्रम बुधवार रात में आयोजित किया गया। जिसमें सूत्र धार तुषार राठौड़ झाबुआ, सत्येंद्र वर्मा इंदौर, शरद जोशी अमझेरा, शिव शैलेन्द्र यादव, डॉ. अनीता रस्तोगी मुराबद (उत्तरप्रदेश), कुलदीप शर्मा टीवी शो मुंबई, जगदीश राघव मेघनगर, बंटी बम हास्य व्यंग मनावर, शुभम स्वराज (वीर रस), अर्पणा जोशी, अनूप इंदौर, सचिन निडर खाचरोद ने अपने बेहतरीन कविताओं की प्रस्तुति दी।

फिल्मी गीतकार मनौज दुबे को अभिव्यक्ति 2022 सम्मान

माही की गूंज, झाबुआ। जिले व क्षेत्र मालवा निमाड़ की साहित्य संस्था अभिव्यक्ति द्वारा संस्था के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने पर राष्ट्रीय भाषा हिन्दी मास के अंतर्गत अभिव्यक्ति साहित्य सम्मान की शुरूआत की गई। संस्थापक अध्यक्ष निसार पठान ने बताया कि इस बार तीन रचनाकार ख्याति प्राप्त साहित्यकार में फिल्मी गीतकार देवास के संवेदनशील रचनाकार ''बहुत याद आती है पापा तुम्हारी'' जैसे मार्मिक गीत रचने वाले मनोज दुबे, हासयव्यंगकविता में मालव निमाड़ का गौरव बढ़ाने वाले धीरज शर्मा नालछा व अल्प समय में नेताजी लपेटे व वाह वाह क्या बात है जैसे टीवी आयोजन में प्रसिद्धि पाने वाली दिल्ली की रजनी सिंह अवनि को अभिव्यक्ति सम्मान दिया गया। आयोजन में अभिव्यक्ति के संरक्षक एमएल फूलपगारे ने अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि हास्य व्यंग कवि गीतकार नारायण निडर थे। विशेष अतिथि अभिव्यक्ति की वरिष्ठ सदस्य प्रिंसीपल श्रीमति कविता तिवारी रही।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने पशु उपसंचालक को लिखा पत्र

माही की गूंज, थांदला।

पशुओं की अनेक प्रकार की बीमारी को दूर करने के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनल जसवंत सिंह भाबर ने पशु उपसंचालक जिला झाबुआ को पत्र लिखकर कहा कि, समस्त जिले में पशुओं को वायरस जैसी बीमारी होती जा रही है। सभी कर्मचारियों अधिकारियों को निर्देश जारी किया जाए कि, झाबुआ जिले में समस्त ग्राम, ग्राम पंचायतों एवं तहसीलों में सर्वे करवाने के निर्देश जल्द ही पारित करें। वायरस जैसी खतरनाक बीमारी पूरे जिले में न फेले उसको रोकने के लिए अथक प्रयास किया जाए। पशुओं को बीमारी से बचाएं एवं समस्त जिला वायरस जैसी खतरनाक बीमारी से मुक्त हो ऐसा प्रयास करें।

डोल ग्यारस पर्व पर चल समारोह का आयोजन, आकर्षक श्रृगांर कर निकले झूले

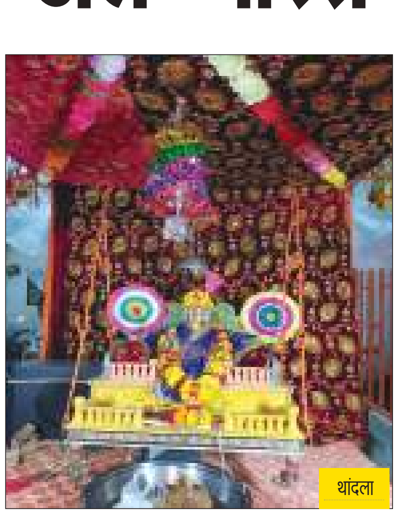

माही की गूंज, थांदला।

श्री मलुकदासजी, जैनाचार्य उमेशमुनिजी महाराज, जवाहरलालजी महाराज, सरस्वतीनंदन स्वामी महाराज जैसे महान संतों की पावन नगरी थांदला में मंगलवार को डोल ग्यारस पर्व बड़ी श्रद्धा एवं धूमधाम से मनाया गया। नगर के स्थानीय बड़ेरामजी मंदिर, पट्टाभिराम मंदिर, शांति आश्रम, बाँके बिहारी मंदिर, हरि मंदिर, चारभुजानाथ मंदिर, हनुमान अष्ट मंदिर (बावड़ी), गणेश मंदिर, रामदेवजी मंदिर से डोल (झूले) आकर्षक श्रृंगार कर स्थानीय श्री बड़े रामजी मंदिर पर एकत्रित हुए जहां महाआरती की गई। उसके पश्चात चल समारोह बोहरा बाजार, सुभाष मार्ग, गवली मोहल्ला, अस्पताल चौराहा होते हुए दशहरा मैदान पहुंचा, जहां सभी झूलों में विराजित श्री बालमुकुंद भगवान की आरती उतारी गई जहां बड़ी संख्या में भक्तगण दर्शनार्थ उपस्थित थे।

पुरानी मान्यता है कि, जलझूलनी एकादशी के दिन भगवान को नगर भ्रमण कर पवित्र नदी में स्नान कराया जाता है। उसके पश्चात झूले वापस मठ वाला कुआँ, जवाहर मार्ग होते हुए आज़ाद मार्ग पर पहुंचे, जहां भक्तों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर दर्शन लाभ लिए। आज़ाद मार्ग से पिपली चौराहा, म.गां. मार्ग, कुम्हार मोहल्ला, गांधी चौक, सरदार पटेल मार्ग होते हुए अपने-अपने निज मंदिरो में पहुंचे जहां महाआरती सम्पन्न हुई। नगर में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर भगवान की आरती उतारी गई। अपना गणेश मित्र मंडल जवाहर मार्ग पर महाआरती कर दुध की प्रसादी वितरित की। आज़ाद पिपली गणेश मित्र मंडल पर सभी भक्तों के लिए फलिहारी खिचड़ी तथा दूध की प्रसाद वितरित की।

राठौर समाज ने डोल निकालकर भगवान लक्ष्मीनारायण को करवाया नगर भ्रमण

माही की गूंज, पेटलावद।

राठौर समाज द्वारा देव झूलनी एकादशी पर भगवान का डोल बड़े ही धूमधाम के साथ निकाला गया। बैंड-बाजे व ताशे के साथ पालकी के अन्दर भगवान का झूला नगर के मुख्य मार्गों से निकाला गया। जिसमें विशेष आकर्षण का केन्द्र हनुमान जी, कालका माता, कृष्ण व राधा के रूप में कलाकार नजर आ रहे थे आयोजन का मुख्य आकर्षक तोप से फूलवर्षा रहा। वहीं राठौर समाज के सभी परिजन एक जैसी पोशाक सफ़ेद कुर्ता व पजामा और लाल साफे में नजर आए वहीं महिलाएं लाल साड़ी में नजर आईं। शोभायात्रा में सबसे आगे घोड़े पर ध्वज लिए समाजजन बैठे हुए थे, वहीं विभिन्न स्थानों पर गरबा और नृत्य कर सभी ने इस उत्सव का आनंद लिया।

मंदिरों के निकले झूले, वर्षो पुरानी परंपरा अनुसार एसडीएम व तहसीलदार ने की झूलों की पूजा

नगर में सभी प्रमुख मंदिरों से भी प्रतिवर्ष अनुसार भगवान के झूले निकाले गए। यहां वर्षो पुरानी परंपरा के अनुसार भगवान के झूले पूरे नगर में होते हुए एक साथ एसडीएम कार्यलय पहुँचते है। जहाँ एसडीएम शिशिर गेमावत और प्रभारी तहसीलदार जगदीश वर्मा द्वारा झूलों की पूजा कर पुजारियों का स्वागत किया।

लोगों ने भगवान की पूजा कर अर्पण किए ककड़ी-भुट्टे

माही की गूंज, बामनिया।

ग्राम में अमरगढ़ रोड स्थित राम मंदिर से प्रतिवर्ष अनुसार भगवान के झूले निकाले गए। जहा नगर में जगह-जगह महिलाओ ने भगवान के झूलों की पूजा की ओर फसल का पहला फल ककड़ी और भुट्टे भेंट किए। इस दौरान नगर के युवा भगवान के झूलों के साथ-साथ भजन कीर्तन कर चलते रहे। नगर भर्मण के बाद झूले पेटलावद रोड पर पहुँचे, जहा महाआरती और प्रसादी का वितरण किया गया।

देव झुलनी ग्यारस पर भगवान ने किया विहार, बजे घंटी-घड़ियाल, झूलाया झूला

माही की गूंज, सारंगी।

जलझूलनी एकादशी (डोल ग्यारस) आस्था व उल्लास से मनाई गई। इस अवसर पर मंदिरों से ढोल-ढमाकों के साथ डोल (विमान) निकाले, जुलूस में घंटे-घडियालो के बीच भगवान के जयकारे गूंज रहे थे। फूलों व अन्य सामग्रियों से सजे डोल जलस्त्रोतों पर पहुंचे, यहां भगवान को स्नान करा कर आरती की गई एवं प्रसादी का वितरण किया गया। भक्तों ने सवैया का गान किया और भगवान को पुनः मंदिर में विराजित किया गया और भगवान को झूले में झूलाया गया।

आल की के पालकी जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गुंजा ग्राम

माही की गूंज, करवड़।

प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी जल झूलनी ग्यारस को भगवान श्री कृष्ण को नगर भ्रमण करा कर जल स्त्रोत पर आरती उतारी गई। जिसके पश्चात प्रसादी का वितरण किया गया। गांव के राम मंदिर, जगमोहन मंदिर, चारभुजा नाथ मंदिर से झूले प्रारंभ हुए जो गांव ढोल-ढमाकों और जयकारों के साथ नगर भ्रमण कर मंदिर पर झूले पहुंचे।

पुजारी कैलाश महाराज ने बताया कि, जलझूलनी ग्यारस को भगवान श्री कृष्ण को गांव में भ्रमण कराकर गांव की सुख शांति की पूजा अर्चना की जाती है और आरती उतारने के पश्चात प्रसाद वितरण किया जाता है।

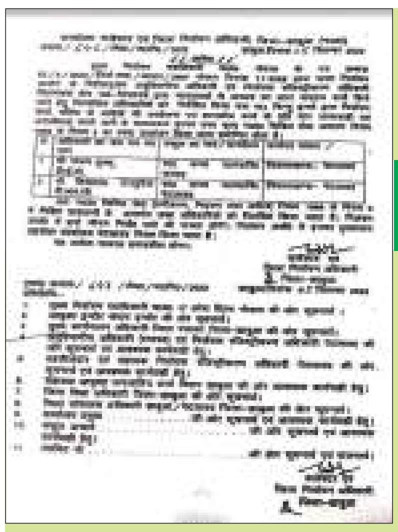

बीईओ और बीआरसी निलंबित, 19 बीएलओ पर लटकी निलंबन की तलवार

मतदाता परिचय पत्र से आधार लिंक अपडेट करने के कार्य मे हुई लापरवाही, आरके यादव को मिला बीईओ का चार्ज

माही की गूंज, पेटलावद।

लगातार चर्चा में रहने वाला पेटलावद विकास खण्ड एक बार फिर से चर्चा में है। यहां मतदाता परिचय पत्र से आधार लिंक अपडेट करने के कार्य मे लापरवाही पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पेटलावद विकास खण्ड के बीईओ सजंय हुक्कू और बीआरसी सियाराम रायपुरिया को निलंबित कर दिया है। इससे पूर्व बीईओ हुक्कू चुनाव कार्य मे लापरवाही के चलते एक बार पहले भी निलंबन हो चुके है। इससे पूर्व विकास खण्ड के 19 बीएलओ को भी मतदाता परिचय पत्र से आधार लिंक अपडेट करने के कार्य मे लापरवाही पर अनुविभागीय अधिकारी द्वारा नोटिस जारी कर तलब किया गया था, जिस पर बीएलओ ने अपने-अपने जवाब दे दिए है। अब बीईओ और बीआरसी के निलंबन के बाद 19 बीएलओ में से कई पर कार्रवाई हो सकती है। हालांकि पंचायत चुनाव के दौरान पेटलावद प्रशासन द्वारा भारी लापरवाही बरती गई थी जिसके चलते कई पंचायतो में विवाद की स्थिति निर्मित हो गई थी लेकिन कोई कार्रवाई जिला कलेक्टर की और से देखने नही को नही मिली थी।

आरके यादव को मिला बीईओ का चार्ज

खण्ड शिक्षा अधिकारी सजंय हुक्कू के निलंबन के बाद अब विकास खण्ड की बागडोर बामनिया बालक स्कूल के व्याख्याता आरके यादव को खंण्ड शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त चार्ज दिया है। प्रभारी बीईओ व्याख्याता आरके यादव का रिकॉर्ड शिक्षा के क्षेत्र में काफी अच्छा रहा है और उनके जीवन मे कोई दाग उनकी नोकरी में नही है। ऐसे में काजल की कोठरी के समान इस पद आने के बाद वो अपने आप को काजल लगने से कितना बचा पाते है ये देखना होगा।

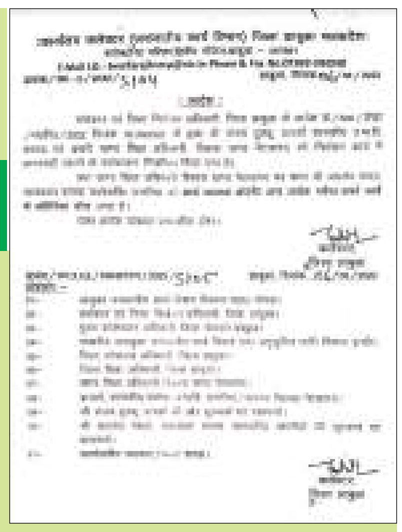

मॉडल स्कूल के बच्चे तीन किलोमीटर पैदल चलने पर मजबूर, खड़े रहने के लिए बस स्टेशन भी नहीं

सीएम राइस होगी तभी मिलेगी सरकारी स्कूल में बस की सुविधा

छात्राएं होती है मनचलों की छेड़खानी का शिकार, दुर्घटना का बना रहता है भय

माही की गूंज, पेटलावद।

इस तरह सड़क पर पैदल तीन से चार किलोमीटर दूर जाने को मजबूर पेटलावद-करडावद के विद्यार्थी।

सड़क किनारे थांदला-बदनावर मार्ग पर बस का इंतजार करते विद्यार्थी।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा शिक्षा व्यवस्था को नए आयाम देने की तैयारी में दिल्ली मॉडल की तरह प्रदेश भर में सीएम राइस स्कूल शुरू किए जा रहे है। जिनकी थीम पूरी तरह से निजी स्कूलों की तरह होगी और बच्चों को आने-जाने के लिए बसों तक कि सुविधा दी जाएगी। सरकार नई योजना पर पूरा दिमाग खपा रही है लेकिन वर्तमान में कई संस्था ऐसी भी जहा के बच्चों को बस स्टेशन पहुँचने के लिए बस सुविधा की आवश्यकता है। जिसके अभाव में स्कूल के सैकड़ो छात्र-छात्राओं को तीन से चार किलोमीटर पैदल चल कर स्कूल आना-जाना पड़ता है। हालांकि स्कूल में बच्चे कई किलोमीटर दूर से आते है लेकिन उनको आने-जाने के साधन स्कूल से तीन किलोमीटर दूर से मिलते है जिससे उनको भारी परेशानियों का शिकार होना पड़ता है।

मॉडल स्कूल के सैकड़ो विद्यार्थी कर रहे रोज की पैदल यात्रा

पेटलावद से तीन किलोमीटर दूर थांदला-बदनावर मुख्य मार्ग पर स्थित मॉडल स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को स्कूल पहुँचने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। सरकार चाहे तो एक बस की व्यवस्था से स्कूली बच्चों के जीवन की बड़ी मुश्किले कम कर सकती है। यहां पेटलावद और करडावद से स्कूल की दूरी तीन से चार किलोमीटर है। स्कूल से घर और घर से स्कूल पहुँचने के लिए बस भी पेटलावद और करडावद बस स्टेशन से मिलती है। खास कर शाम के समय घर वापसी में दिक्कतों का समाना करना पड़ता है। इसलिए मुख्य मार्ग पर करडावद-पेटलावद के सैकड़ो बच्चे बस का इंतज़ार नही करते हुए चार किलोमीटर की पैदल यात्रा पर अपने घर की और निकल पड़ते है।

स्कूल के आस-पास बच्चों के लिए बैठने तक कि व्यवस्था नहीं

मॉडल स्कूल से नीचे आने के बाद मुख्य मार्ग पर इन स्कूली बच्चों के लिए बेठने के लिए शेड तक कि व्यवस्था नही है। अक्सर आपने सड़क के किनारे देखा होगा कि विधायक और सांसद अपनी मद से कई स्थानों पर ऐसे यात्री प्रतीक्षालय बना देते है लेकिन वर्षो से स्कूल के बच्चे धूप, बारिश, ठंड में सड़क के पास ऐसे ही खड़े रहने को मजबूर है। लेकिन किसी जनप्रतिनिधि की नींद इस दिशा में नही खुली। स्कूल के पास सड़क से लगी सरकारी भूमि भी पड़ी है जहाँ क्षेत्र के विधायक मईड़ा स्वयं की निधि से बच्चों के लिए यात्री प्रतीक्षालय बनाने की घोषणा कर चुके है, लेकिन आज तक इस और कोई सुनवाई नही हुई। स्कूल खत्म होने के बाद आप सैकड़ो बच्चों को पैदल यात्रा और बस के इंतजार में सड़क के किनारे असुरक्षित बैठे रहने की तस्वीर देख सकते है। सबसे बड़ी बात क्षेत्र के विधायक खुद प्रतीक्षालय के लिए दी गई राशि मे भ्रष्टाचार की पुष्टि कर रहे है।

इस संबंध में विधायक वालसिंह मैडा का कहना है कि, मेरे द्वारा विधायक निधि से ग्राम पंचायत करडावद को दो वर्ष पूर्व दो लाख रुपये दे चुका हूं। अभी तक प्रतीक्षालय नही बना ये शर्म की बात है। मैं एसडीएम और जनपद सीईओ से चर्चा कर जल्द से जल्द ये कार्य करवाता हु।

छात्राएं होती है छेड़खानी का शिकार, दुर्घटना का बना रहता है भय

स्कूल आने-जाने वाली लड़कियों के साथ पहले भी कई बार छेड़खानी के मामले सामने आ चुके है। न केवल क्षेत्र के मनचले युवक अपने वाहनों से लड़कियों के आने-जाने के समय छेड़खानी करते है, बल्कि मुख्य मार्ग होने के कारण मार्ग से गुजरने वाले सैकड़ो वाहनों में से कई वाहनों में बैठे मनचले सड़क पर जा रही लड़कियों को अश्लील फतित्तया कसते हुए निकल जाते है।

थांदला-बदनावर मार्ग स्टेट हाइवे होने के कारण अत्यधिक व्यस्त होता है और यहां आए दिन सड़क दुर्घटनाये होती ही रहती है। ऐसे में सड़क किनारे चल रहे बच्चों के साथ कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। सीएम राइस जैसी स्कूलों के साथ-साथ मॉडल स्कूलों में भी बस व्यवस्था होनी चाहियें जो ज्यादतर नगर से दूर स्थित है। कम से कम स्कूलों बच्चों को घर तक नही लेकिन आस-पास के बस स्टेशन तक छोड़ दे जहा से वो सुरक्षित अपने घर पहुँच जाए। विभाग के अधिकारी और स्कूल प्रशासन, शासन की योजना का हवाला देकर स्कूली बच्चों की सुरक्षा से पल्ला झाड़ रहे है।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष सौनु विश्वकर्मा ने बताया कि, बच्चों की सुविधा और सुरक्षा के लिए अगर कोई व्यवस्था हो सकती है तो मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को पत्र लिख कर जिले के मॉडल स्कूलों में पास मुख्य बस स्टेशन तक बस सेवा शुरू हो इसकी मांग करूंगा। सांसद और पूर्व विधायक से जल्द से जल्द सड़क के दोनों और दो अस्थाई प्रतीक्षालय की मांग करूंगा। वही स्कूल के पास सड़क से लगी शासकीय भूमि पर स्कूली बच्चों के छोटे से गार्डन की मांग करूंगा, ताकि स्कूल के बच्चे बस के इंतजार में सड़क के किनारे इंतज़ार न करे।

लगातार तीन दिनों से नीम के पेड़ से बह रही दूध की धारा, लोगों ने शुरू की पूजा पाठ

सोशल मिडिया पर चमत्कार और वैज्ञानिक क्रिया को लेकर छिड़ी जंग

माही की गूंज, पेटलावद/करवड़।

- नीम के पेड़ की पूजा पाठ करते ग्रामीण।

विकास खंण्ड पेटलावद की पंचायत बड़ी देहण्डी के गांव तलावपाड़ा में नीम के पेड़ से दूध निकलने की मामला सामने आया है। यहां लगातार तीन दिन से नीम के पेड से दूध जैसा पदार्थ निकल रहा है। ग्राम तलावपाडा निवासी रेलिया पिता तेरसिंह गामड़ के खेत पर एक नीम का पेड़ है जहा सोमवार सुबह 8 बजे खेत मालिक खेत पर पहुँचा तो उसे नीम से दूध जैसा पदार्थ निकलता देखा। पेड़ से दूध की धार धीरे-धीरे तेज़ होती गई। थोड़ी ही देर में मामला जंगल मे आग की तरह फेल गया और यहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई थी।

पूर्व जनपद सदस्य तेजमल सोलंकी ने बताया कि, वे स्वयं जानकारी मिलने पर वहां गये। उन्होंने बताया कि, मैंने जाकर देखा की पेड़ से एक धार की तरह दूध जैसा पदार्थ निकल रहा है और उसे उंगली में लेकर चक्खा और वास्तव में वह मीठा लगा रहा था।

तेजा दशमी पर नीम के पेड़ से दूध निकलने की खबर क्षेत्र में चर्चा का विषय है बना हुआ है। हालांकि सोशल मीडिया पर खबर वाइरल होते ही इस पर बहस छिड़ गई। कई लोग इसे वृक्षो के साथ होने वाली वैज्ञानिक क्रिया बता रहे है तो कई लोग इसे दैवीय चमत्कार बता कर अपने-अपने तर्क दे रहे है। सोमवार से शुरू हुआ मामला तीसरे दिन बुधवार तक जारी रहा ओर पेड़ से अनवरत दूध जैसा तरल पदार्थ बहना जारी है। अब ग्रामीणों ने इसे चमत्कार मानते हुए नीम के पेड़ की पूजा अर्चना शुरू कर दी है और यहां ग्रामीणों का कतार लगना शुरू हो गई है। फिलहाल प्रशासन और वन विभाग की और से मौके पर कोई नही पहुँचा है, लेकिन मीडिया के लोग लगातार इस खबर को कवरेज करने के लिए पहुँच रहे है।

नगरीय निकाय चुनावों में कब्जे को लेकर रस्साकसी व जुम्लेबाजी का सिलसिला शुरू

माही की गूंज, झाबुआ।
मुजम्मील मंसूरी

राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश के 18 जिलों की 46 नगरीय निकायों के आम निर्वाचन-2022 का निर्वाचन कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इन नगरीय निकायों में मतदान 27 सितम्बर को और मतगणना 30 सितम्बर को होगी। मतदान ईव्हीएम से होगा। संबंधित नगरीय निकाय क्षेत्रों में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो चुकी है। इसी कड़ी में जिले की चार नगरीय निकायों में भी निर्वाचन होना है। जिले में एक नगरपालिका झाबुआ व तीन नगरपरिषदों पेटलावद, थांदला, तथा रानापुर में यह निर्वाचन होना है। जिले की मेघनगर नगर परिषद के चुनाव पिछले माह हो चुके है।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नाम निर्देशन-पत्र प्राप्त करने, स्थानिय (सीटों) के आरक्षण के सम्बंध में सूचना का प्रकाशन, मतदान केन्द्रों की सूची का प्रकाशन 5 सितम्बर को किया गया। नाम-निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम निर्धारित तारीख 12 सितम्बर दोपहर 3 बजे तक रहेगी। नाम-निर्देशन पत्रों की समीक्षा 13 सितम्बर सुबह साढ़े 10 बजे से होगी। अभ्यर्थियों के नाम वापस लेने की अंतिम 15 सितम्बर, सुबह साढ़े 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक रहेगी। इसी दिन निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार करना और निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन अभ्यर्थिता के नाम वापसी के ठीक बाद किया जाएगा। मतदान 27 सितम्बर को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 30 सितम्बर सुबह 9 बजे होगी।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम घोषित होने के बाद से ही जैसे जिले में राजनीतिक हलचल एकदम से बढ़ गई। चूंकि क्षेत्र में मुख्य रूप से दो ही राजनीतिक पार्टियां सक्रिय रूप से दिखाई देती है, तो दोनों ही दलों में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर बैठकों और रणनीति बनाने का दौर शुरू हो चुका है। पार्टी द्वारा प्रत्याशियों की घोषणा अब तक नहीं हो पाई है। लेकिन निर्वाचन कार्यक्रम अनुसार 5 सितम्बर को नाम निर्देशन प्राप्त करने के पहले ही दिन कई उम्मीदवारों ने नाम निर्देशन पत्र प्राप्त कर लिए। हालांकि नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 12 सितम्बर है। वही अभी और भी बड़ी संख्या में उम्मीद्वार इस चुनावी समर में हिस्सा लेंगे। 15 सितम्बर को नाम वापसी के बाद यह स्थिति स्पष्ट हो जाएगी कि, अब मैदान में कितने उम्मीद्वार अपनी दावेदारी पेश कर रहे है।

घपले, घौटालों और भ्रष्टाचार में घिरी रही पुरानी परिषदें

जिले की एक नगरपालिका व तीन नगर परिषदों में होने जा रहे इस निर्वाचन में कई उलट फैर देखने को मिल सकते है। क्योंकि जिले की झाबुआ नगरपालिका व थांदला, पेटलावद की नगर परिषदें अपने घपले, घोटालों को लेकर हमेशा सुर्खियों में बनी रही। पिछले परिषदों द्वारा किए गए लोक लुभावने वादे, सिर्फ वादे ही बनकर रह गए। परिषदों ने इन वादों को कभी पूरा करने की कोशिशे ही नहीं की। थांदला, पेटलावद या झाबुआ नगरपालिका ही क्यों न हो जनता से किए गए वादों पर सभी परिषदों में वादा खिलाफी ही नजर आई है। जिला मुख्यालय की नगरपालिका की बात करें तो पिछली दो परिषदों के कार्यकाल निकल गए मगर अब तक कई कार्य ऐसे है जो अधूरे ही पड़े है। इसके अलावा कई वादे ऐसे है जो अब तक धरातल से ही गायब है। कई घोषणाएं ऐसी है जो अब तक अधूरी है। तालाब सौंदर्यीकरण का मामला हो, कांजी हाउस का मामला हो या फिर स्लाटर हाऊस का सभी जमीनी हकीकत से कोसों दूर नजर आ रहे है। शुद्ध पेयजल, सुलभ यातायात, सुंदर सड़कें और स्वच्छ नगर अब भी जनता का सपना ही है। जबकि पिछली परिषदें इन्ही वादों के साथ सत्ता की कुर्सी पर काबिज हुई थी। ऐसे ही कुछ हाल थांदला और पेटलावद नगरपरिषद के भी है जहां हमेशा घपले, घोटाले और भ्रष्टाचार की गूंज, गूंजती रही है। सत्ता की कुर्सी हासिल होने के बाद सभी ने अपनी जेबें भरने का ही काम किया। पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद अब जनता यही कह रही है कि, क्या हुआ तेरा वादा.... वो कसम... वो इरादा...? अब फिर से जुम्लेबाजी का दौर शुरू हो चुका है।

पुरानी परिषदों के वादे अब तक अधूरे...

फिर एक बार, दावेदारों की भरमार

नगरीय निकाय चुनावों को लेकर जिले की सभी परिषदों में दावेदारों की भरमार है। स्थिति ऐसी कि पार्टी से टिकट मिले ना मिले अपन तो निर्दलीय ही मैदान में है, लड़ेंगे जरूर। कई जगह तो हालात ऐसे है कि, एक वार्ड में उम्मीद्वारों का आंकड़ा दहाई का अंक पार कर दर्जन भर से आगे बढने् को आतूर है। क्या करें स्थिति ही कुछ ऐसी हो गई है कि, अब हर किसी को राजनीति में ही भविष्य नजर आ रहा है। चूंकि अब अध्यक्ष पद के लिए भी सीधे तौर पर वोटिंग नहीं होगी, चुने गए पार्षद ही अपने बीच से अध्यक्ष चुनेंगे। तो आसा और उम्मीदें और भी बढ़ चुकी है, शायद...। अध्यक्ष बने ना बने चुनाव जीतकर पार्षद ही बन गए तो वन टाइम इंवेस्टमेंट और पांच साल तक मुनाफा ही मुनाफा। अगर चुनाव जीत गए तो परिषद के हर कार्य में हिस्से का लिफाफा तो तय ही है और अगर कहीं किसी तरह का काम ठेके के रूप में मिल गया तो पांच साल के वारे-न्यारे...। कुछ भी हो मगर अब जनता की बारी है। नए और पुराने सारे नेता अब जनता के दरबार में धोक देने पहुंचने वाले है। हर कोई एक-दूसरे की खामियां लेकर आएगा और अपनी अच्छाईयां और वादे परोस कर जाएगा। पुराने क्षमायाचना भी साथ लाएंगे। नए वादों की बौछार बरसाएंगे। मगर तुम मन से कठोर रहना, अब सवाल अपने नगर को बचाने का है। सोच समझ कर अपना मत देना, संकल्प यह की भ्रष्टाचार से नगर को मुक्त कराने का हो।

विपक्ष की भूमिका भी पिछले कार्यकाल में रही शुन्य

जिले की जिन चार नगरीय निकायों में चुनाव होना है। वहां पिछली परिषदों के भ्रष्टाचार के किस्से अखबारों की सुर्खियां भी बने, लेकिन इतना सबकुछ होने के बावजूद विपक्ष कहीं भी नजर नहीं आया। परिषदों की होने वाली बैठकों में विपक्ष का किसी तरह का कोई विरोध देखने को नहीं मिला। अच्छे-बुरे सभी कामों पर विपक्ष की मौन स्वीकृति ही देखी गई। आम जनता में यह चर्चा का विषय भी रहा कि, परिषद चाहे जिसकी बने, हिस्सा तो सबकों मिलता है, फिर चाहे वह पक्ष का हो या विपक्ष का। और यही कारण है कि, तमाम परिषदों में विपक्ष पिछले 5 सालों में कहीं नजर ही नहीं आया।

कद्दावर भैरया और भाईसाब लड़ेंगे पार्षद का चुनाव

नगरीय निकाय चुनाव का बिगुल बजते ही जिले में दोनों दलों के भैय्या और भाईसाब की एक बड़ी फौज सक्रिय हो चुकी है। इरादा यह कि किसी भी वार्ड से पार्षद का चुनाव जीतकर परिषद अध्यक्ष की दावेदारी करना है। चूंकि नगर परिषद अध्यक्ष के लिए अब सीधे तौर पर वोटिंग नहीं होकर चुने गए पार्षद अपने बीच से ही परिषद के अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। जिले में ऐसे कई कद्दावर है जो नगर परिषद अध्यक्ष पद तक पहुंचने के लिए पार्षद प्रत्याशी के रूप में चुनावी रण में शामिल होंगे। हालांकि इस बात की भी कोई ग्यारंटी नहीं है कि पार्षद का चुनाव जीतने के बाद भैय्या और भाईसाब लोग अध्यक्ष की कुर्सी तक पहुंच जाए। क्योंकि इस चुनावी समर में खड़ा हर उम्मीदवार इसी उम्मीद में होगा कि, अध्यक्ष की कुर्सी हाथ लग जाए। हालांकि यह तय है कि, जिस दल के पार्षद ज्यादा बनेंगे उसी दल की नगर सरकार बनेगी। इसका सीधा सा उदाहरण हम पिछले माह में मेघनगर नगर परिषद में देख चुके है। कई कद्दावर हारे तो कई को अपने ही लोगों ने निपटा दिया। यहां भाईसाब लोगों की एंट्री ने परिषद का रूख बदल कर रख दिया। अपने ही दल के कद्दावरों को जमीनी रसातल में भेज कर अपने लोगों को परिषद पर काबिज करवाया। यही कारण है कि, जिले की चारों नगरीय निकायों में मुकाबले रौचक होना तय है।

राजनीतिक दलों में बैठकों का सिलसिला शुरू

नगरीय निकाय चुनाव को देखते हुए जिले का राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। इस चुनाव को लेकर दोनों ही दल अपनी-अपनी तैयारी में जुट गए है। जहां-जहां नगरीय निकाय के चुनाव होना है वहां-वहां कार्यकर्ताओं की बैठकें ली जा रही है। दोनों ही दलों का कार्यकर्ताओं से एक ही आव्हान है कि, पार्टी जिसको भी टीकट दे सभी को एकजुट होकर पार्टी प्रत्याशी को जीताना है। बिना किसी मनमुटाव और मतभेद भूलाकर उसका प्रचार-प्रसार करना है। पार्टी को ही सर्वोपरी मानना है। जिले के चारों नगर परिषदों पर परचम लहाराना है, मगर ऐसा हो पाना मुमकिन नहीं है। क्योंकि दोनों ही दलों में असंतुष्टों की फौज है। अगर पार्टी से टिकट ना भी मिला तो कई लोग बगावत कर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में सामने खड़े होंगे। जिसका नुकसान दोनों ही दलों को भुगतना पड़ सकता है। हालांकि इस बार के नगरीय निकाय चुनावों में खासी रस्साकसी देखने को मिलेगी।

संपादकीय

ब्रिटेन ने लिज पर जताया भरोसा

तमाम विवादों से घिरे ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के इस्तीफे के दो माह बाद आखिरकार ब्रिटेन को नये प्रधानमंत्री के रूप में लिज ट्रस मिल गई हैं। इसके बावजूद भारतवंशी ऋषि सुनक ने उन्हें कड़ी चुनौती दी। तमाम भारतीय उम्मीद लगा रहे थे कि जिस ब्रिटेन ने सैकड़ों वर्षो भारत पर राज किया, वहां की बागडोर अब एक

भारतवंशी संभालेगा। सुनक मजबूती से चुनाव लड़े भी, नई पीढ़ी के सांसद उनके समर्थन में थे, लेकिन पार्टी के अनुदारवादी सदस्यों ने उन्हें नकार दिया। कह सकते हैं कि, ब्रिटिश समाज खासकर टोरी पार्टी फिलहाल अभी किसी अश्वेत को अपने प्रधानमंत्री के रूप में स्वीकारने को तैयार नहीं है। नहीं भूलना चाहिए कि, बोरिस जॉनसन सरकार के दौरान एक वित्तमंत्री के रूप में ऋषि सुनक की पारी दमदार रही जो ब्रिटेन में उनकी व्यापक लोकप्रियता का सबब बनी। लेकिन पार्टी नेता के चुनाव के दौरान लिज ट्रस ने भी जनता को राहत की रेवड़ियां देने का वायदा किया, जो आर्थिक संकट से गुजर रहे ब्रिटेन को शायद की रास आए। लिज के लिए एक बड़ा सबक यह होगा कि, उनके चुनाव अभियान व प्रधानमंत्री बनने के बीच ब्रिटेन का उपनिवेश रहा भारत उसे पछाड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

बहरहाल, आज यह एक हकीकत है कि सांसदों के वोट हासिल करके भी प्रधानमंत्री की दौड़ में दमदार प्रत्याशी सुनक अनुदारवादी पार्टी प्रतिनिधियों की नापसंदगी से पीछे रह गए। ऋषि सुनक ऐसे नेता हैं जो कोरोना काल के संकट, ब्रेग्जिट के बाद उत्पन्न हालात तथा रूस-यूक्रेन युद्ध से उपजे ऊर्जा संकट से ब्रिटेन को सुरक्षित निकालने का दमखम रखते थे। लेकिन इसके बावजूद मुकाबले में अंतिम समय तक बने रहना एक भारतवंशी के लिये गर्व की बात है। अभी उनकी उम्र मात्र 42 वर्ष है और उनके लिए राजनीति के तमाम अवसर प्रतीक्षा कर रहे हैं। बहरहाल, इस चुनौतीपूर्ण समय में ब्रिटेन को एक ईमानदार व मजबूत नेतृत्व की सख्त जरूरत है। शायद लिज इस कसौटी पर खरी उतर पाएं।

बहरहाल, अब भारी बहुमत से सत्ता में आए बोरिस जॉनसन के विवादित कार्यकाल का पटाक्षेप हो गया है। लेकिन लिज के लिए यह वक्त जश्न के बजाए टेंशन का साबित हो सकता है। कभी दुनिया का सिरमौर रहा ब्रिटेन फिलहाल जीवन-यापन के संकट से गुजर रहा है। मंदी के दौर से गुजरते ब्रिटेन में जुलाई में मुद्रा स्फीति दस फीसदी से अधिक रही। बेरोजगारी बेतहाशा बढ़ी है। लिज को जहां ऊर्जा बिलों से निपटना है, वहीं भविष्य की ईंधन आपूर्ति सुरक्षित करनी है। उन्होंने चुनाव अभियान में एक सप्ताह में योजना को मूर्त रूप देने की बात कही थी। उन्होंने लोगों को सीधा लाभ देने व करों में कटौती की बात कही थी। लेकिन यदि लिज ऐसा करती हैं तो अर्थशास्त्री मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका जता रहे हैं। ऐसे में लिज के सामने न केवल मौजूदा स्थितियों से देश को उबारने की जरूरत है बल्कि पार्टी द्वारा आम चुनाव के दौरान किए गए वायदों को भी पूरा करना है। उनके पास समय बहुत कम है क्योंकि वर्ष 2024 में फिर अनुदारवादियों को जनता की अदालत में जाना है। ऐसे में देखना होगा कि लिज किस हद तक ब्रिटेन को स्थिर, ईमानदार व मजबूत नेतृत्व दे पाती हैं। उन पर दबाव होगा कि उनकी सरकार रूस-यूक्रेन युद्ध में सीधी भागीदारी के बजाए घरेलू समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दे। बहरहाल, इसके बावजूद भारत को ब्रिटेन से बेहतर रिश्तों की उम्मीद है। बोरिस जॉनसन की भारत यात्रा के दौरान मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में जो बात बढ़ी थी, उसे शीघ्र क्रियान्वित करने की जरूरत होगी। कंजरवेटिव पार्टी के सदस्य के रूप में मार्गरेट थैचर व थेरेसा मे के बाद तीसरी महिला प्रधानमंत्री लिज ट्रस से ब्रिटिश जनमानस को बड़ी उम्मीदें हैं। देश को मौजूदा संकट से उबारने के साथ ही उन पर अगले चुनाव में पार्टी को जितवाने का दायित्व भी होगा। तभी वे आत्मविश्वास के साथ अगले पूरे कार्यकाल के लिए वोट मांग सकेंगी। फिलहाल उन्हें आंतरिक व विदेशी मोर्चे पर भी जूझना होगा।

शिवराज ने 2023 की स्क्रिप्ट लिखनी शुरू कर दी...!

ऋतुपर्ण दवे

देश का दिल मध्यप्रदेश हमेशा से ही अपनी सियासत के लिए बेहद अलग मुकाम रखता रहा है। एक दौर हुआ करता था जब यहाँ की सियासत में रियासत बेहद खास होती थीं। अब भी हैं लेकिन वक्त के कुछ बदला जरूर है। फिलाहाल एक बेहद आरम और साधारण किसान परिवार से आने वाले तथा अपने दमखम पर राजनीति में खास मुकाम तक पहुँचे शिवराज सिंह चौहान न केवल मुख्यमंत्री हैं बल्कि भाजपा के मुख्यमंत्रियों में अब तक के सबसे लंबे कार्यकाल को पूरा करने का रिकॉर्ड बना निरंतर बने हुए हैं। उनके भविष्य को लेकर चाहे जितनी और जैसी अटकलबाजियाँ लगें वह केवल कयास से ज्यादा कुछ नहीं निकलीं।

यह वही मप्र है जहाँ पहले भी और अब भी राजघराने या यूँ कहें कि राज परिवार, जागीरदार और जमींदार, सियासत में खुद को सफल बनाने और जनता से जुड़े रहने के लिए किसी न किसी तरह से सक्रिय हैं तथा देसी रियासतों के विलय के बाद लोकतंत्र के जरिए जनता पर शासन करने की सफल नीति को अपनाया। ग्वालियर के सिंधिया राजघराना से स्व. विजयाराजे सिंधिया, स्व. माधवराव सिंधिया के बाद अब ज्योतिरादित्य सिंधिया की भूमिका सामने है। वहीं उनकी एक बुआ राजस्थान की मुख्यमंत्री रहीं तो दूसरी प्रदेश में मंत्री हैं। राघवगढ़ राजघराने के दिग्विजय सिंह 10 वर्ष तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे तो अब उनके बेटे और पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह और भाई लक्ष्मण सिंह विधायक हैं। इनसे पहले चुरहट राजघराने के अर्जुन सिंह भी प्रदेश के 6 वर्ष तक मुख्यमंत्री रहे। अब इनके बेटे पूर्व मंत्री अजय सिंह प्रदेश के बड़े नेता हैं। वहीं रीवा राजघराने के पुष्पराज सिंह मंत्री रहे हैं और अब भी सक्रिय हैं। मकड़ाई (हरदा) राजघराने के विजय शाह और संजय शाह दोनों ही विधायक और भाजपा के बड़े नेता हैं। विजय शाह मंत्री हैं। एक भतीजा अभिजीत कांग्रेस के युवा चेहरा हैं। देवास राजघराने के तुकोजीराव पवार की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी गायत्री राजे पवार विधायक के रूप में राजनीतिक विरासत को संभाले हुए हैं। सोहागपुर (शहडोल) रियासत से मृगेन्द्र सिंह और उनके अनुज गंभीर सिंह भी विधायक रह चुके हैं। राजघरानों से अब तक मप्र में 4 मुख्यमंत्री हुए हैं। संविद सरकार में गोविंद नारायण सिंह, उनके इस्तीफे के बाद गोंड आदिवासी राजा नरेशचंद्र सिंह। बाद में काँग्रेस सरकार में अर्जुन सिंह तीन बार तो दिग्विजय सिंह दो बार मुख्यमंत्री बने।

मप्र में ग्वालियर, राघोगढ़, रीवा, चुरहट, नरसिंहगढ़, मकड़ाई, खिचलीपुर, देवास, दतिया, छतरपुर, पन्ना जैसे छोटे-बड़े राजघराने राजनीति में काफी सक्रिय और सफल थे और हैं। लेकिन गणना की जाए तो मप्र की सियासत की डोर कभी राजनीतिज्ञों तो कभी आम हाथों में ज्यादा रही। अब तक प्रदेश को 32 मुख्यमंत्री मिले जिनमें रविशंकर शुक्ल (एक बार), भगवंतराव मंडलोई, कैलाश नाथ काटजू, द्वारका प्रसाद मिश्रा (दो-दो बार), गोविंद नारायण सिंह, नरेशचंद्र सिंह (एक-एक बार), श्यामाचरण शुक्ल (तीन बार), प्रकाश चंद्र सेठी (दो बार), कैलाशचंद्र जोशी, विरेंद्र कुमार सकलेचा (एक-एक बार), सुंदरलाल पटवा (दो बार), अर्जुन सिंह (तीन बार), मोतीलाल वोरा, दिग्विजय सिंह (दो-दो बार), उमा भारती, बाबूलाल गौर, कमलनाथ (एक-एक बार) और शिवराज सिंह चौहान तीन बार पहले और चौथी बार अब तक हैं। जबकि प्रदेश में तीन बार राष्ट्रपति शासन भी लगा।

निश्चित रूप से मप्र की राजनीति कुछ अलग तो काफी घुमावदार भी है। कभी लगता है कि राजघरानों के प्रति विश्वास बरकरार है तो कभी आदिवासी वोट बैंक निर्णायक लगते हैं। चुनावों में आदिवासियों का साफ प्रभाव यही दिखाता है। बीते दो विधानसभा चुनाव के आँकड़े देखें तो सब कुछ समझ आता है। यहाँ आदिवासियों की बड़ी आबादी है जिनका 230 विधानसभा सीटों में से 84 पर सीधा-सीधा प्रभाव है। आदिवासी बहुल इलाके में भाजपा को 2013 में 59 सीटों पर जीत हासिल हुई थी जबकि 2018 में 84 में 34 सीटों पर सिमट कर रह गई। शायद इन्हीं कम हुई 25 सीटों के चलते तब भाजपा सीधे-सीधे सरकार बनाने से चूक गई थी। इसे यदि आरक्षण के लिहाज से देखें तो 2013 में आरक्षित 47 सीटों में भाजपा 31 पर जीती जबकि कांग्रेस केवल 15 ही जीत पाई। वहीं 2018 के नतीजे लगभग उलट रहे जहाँ काँग्रेस ने 30 सीटें जीती तो भाजपा महज 16 पर सिमट गई। एक निर्दलीय भी जीता। इसी चलते तब मप्र में काँग्रेस की कमलनाथ सरकार बनी थी। लेकिन अन्दरूनी कलह और सत्ता में पकड़ बनाए रखने, वर्चस्व की लड़ाई में पारस्परिक विफलता के चलते केवल 15 महीनों में हुई बड़ी बगावत से काँग्रेस सरकार गिर गई। इसके लिए तब दो राजघरानों ज्योतिरादित्य सिंधिया और दिग्विजय सिंह की रस्साकशी सबने देखी। कमलनाथ और उनके सिपहसलारों पर उंगलियां भी उठीं। कहीं विधायकों का उतावलापन तो कहीं मीडिया में आए बेतुके बयान। गुरुग्राम की होटल में दो विधायकों का हंगामा तो सिंधिया समर्थक 22 विधायकों की बेंगलुरू में खेमेबाजी ने आखिर 15 सालों के निर्वासन के बाद सत्ता में लौटी काँग्रेस को 15 महीनों में ही चलता कर दिया। 22 काँग्रेसी विधायक जिनमें 6 मंत्री थे ने इस्तीफा देकर कमलनाथ सरकार गिरा दी। इसमें ग्वालियर राजघराने के ज्योतिरादित्य सिंधिया की सबसे खास भूमिका रही। इसी के बाद चौथी बार शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री बने। तीन और विधायकों के इस्तीफे, तीन के निधन से मध्य प्रदेश में खाली हुई 28 सीटों पर 3 नवंबर 2020 को मतदान हुआ जिसमें भाजपा 19 तो कांग्रेस केवल 9 सीट जीत पाई। आखिर बहुमत के आँकड़ों में काँग्रेस पिछड़ गई और बचे कार्यकाल के बनवास पर मुहर लग गई। मजबूरन उपचुनाव झेल चुकी काँग्रेस में बड़े-बड़े तुरुप के इक्कों के बावजूद संगठनात्मक पकड़ कमजोर हुई जिसका नतीजा सामने है। इस सत्ता परिवर्तन की कड़ियाँ एक नहीं कई थीं जिसकी जड़ में काँग्रेस की अन्दरूनी कलह ज्यादा रही।

हाल ही में 347 निकाय चुनावों में भाजपा ने 256 में बढ़त दर्ज की। लेकिन सात बड़े शहर में हाथ से निकल गए। कांग्रेस केवल 58 बढ़त ले पाई। भाजपा की सफलता का प्रतिशत 74 तो काँग्रेस का 18 रहा। सीटों के हिसाब से देखें तो भाजपा को 52.29 और काँग्रेस को 28.39 प्रतिशत सीटें मिली। श्रेय शिवराज को मिला। अब शिवराज रोजाना कभी समीक्षा तो कभी मॉर्निंग ऐक्शन में तो कहीं जनसभा में ही अधिकारियों को फटकार और निलंबन के आदेश देते हुए बरखास्तगी की चेतावनी और सख्ती भरे तेवर दिखाते हैं। शहडोल, सिंगरौली, पन्ना, बालाघाट, उमरिया, जबलपुर, सिवनी सहित कई जिलों के उदाहरण सामने हैं। विकास कार्य समय पर कराने, आवास योजनाओं में लेटलतीफी रोकने, ढंग से राशन वितरण, व्यवस्थित सीएम राइज स्कूल, दुरुस्त शहरी पेयजल योजना, आंगनबाड़ी में पेयजल, बदहाल बिजली व्यवस्था, खस्ताहाल सड़कें, सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण यानी जनता से सीधे जुड़े मसलों को लेकर शिवराज बेहद सख्त दिखते हैं। जहाँ से सही जवाब नहीं मिलता या अधिकारी किन्तु-परन्तु बताते हैं तो वहीं फटकार लगाते हैं। शहडोल का उदाहरण काफी है।

ऐसा लगता है कि सरकार की आँख,कान और हाथ बनी ब्यूरोक्रेसी को लेकर उनका हालिया अनुभव काफी कड़वा रहा जो उनके नए ऐक्शन से झलकता है। यह सिंगरौली, जबलपुर, में रोड शो तो धनपुरी (शहडोल) में जनसभा वहीं उमरिया की वर्चुअल सभा सहित कई अन्य स्थानों के निराश करने वाले नतीजों का असर है। वह सार्वजनिक समीक्षा करते हैं जिसे तमाम मीडिया माध्यम लाइव दिखाते हैं। उनका यह मनोविज्ञान ब्यूरोक्रेट्स को भले ही न भाए लेकिन आमजन को लुभा रहा है।

मध्यप्रदेश में जहाँ काँग्रेस अब भी कमजोर दिख रही है तो शिवराज सिंह चौहान को लेकर भी सुर्खियाँ कम नहीं होतीं। भाजपा संसदीय बोर्ड से बाहर होने के बावजूद उनकी शालीनता ने कहीं न कहीं राष्ट्रीय नेतृत्व को प्रभावित तो किया होगा। वहीं कहना कि मुझसे दरी बिछाने को कहा जाएगा तो बिछाउंगा। यह उनकी बुध्दिमत्ता है जो खुद को पार्टी से बड़ा कभी नहीं दिखाते। उनकी हालिया राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से गर्मजोशी भरी मुलाकातें और अक्टूबर में पंचायती राज के नवनिर्वाचित सदस्यों के सम्मेलन में मप्र आने की हामी, मिशन 2030 का विजन तैयार कर 5 मेगा प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री के हाथों शुरू करा 5 बड़ी जनसभाओं हेतु आमंत्रित करना शिवराज की राजनीतिक चातुर्यता के साथ बताता है कि निगाहें 2023 के विधानसभा और 2024 के आम चुनावों से बहुत आगे देख रही हैं। इससे पार्टी में उनका प्रभाव और बढ़ेगा वही प्रतिद्वन्दियों को मजबूरन ही सही मोदी जी की सभा में शिवराज के साथ रहना ही होगा। शायद यही गुर शिवराज सिंह को और मजबूत करता है।

समीकरण कैसे भी बनें शिवराज सिंह की मजबूती में कोई कमीं नहीं दिखती। क्या काँग्रेस भी बिखराव को थाम असंतुष्टों का साध पाएगी? बिखरी काँग्रेस पर मध्यप्रदेश के मतदाता कितना भरोसा जता पाएंगे? यह सही है कि काँग्रेस संगठन को लेकर हाल-फिलाहाल जो हालात दिल्ली में हैं उससे मजबूती को लेकर संशय स्वाभाविक है। इतना जरूर है कि मप्र में फिलाहाल कोई तीसरी ताकत उभरती नहीं दिखती। इसलिए 2023 का सीधा मुकाबला भाजपा व काँग्रेस में होगा। बाजी वही मारेगा जो गुटीय बिखराव समेट जनता से जुड़ेगा। कहने की जरूरत नहीं कि अगले विधानसभा चुनाव में कौन कितना सफल होगा क्योंकि ये पब्लिक है सब जानती है! बस देखना इतना है कि 2023 में किसे संगठन और जनता से सत्ता का वॉक ओवर मिलेगा और कौन फिर वनवास झेलेगा।

दाऊद पर शिकंजा

सिद्धार्थ शंकर

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके डी कंपनी गैंग से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी देने के लिए नकद इनाम राशि देने की घोषणा की है। अंडरवर्ल्ड गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के लिए एनआईए ने 25 लाख रुपए के इनाम की घोषणा की है। आईएनए के मुताबिक दाऊद इब्राहिम का गिरोह हथियार, विस्फोटक, ड्रग्स और नकली भारतीय मुद्रा नोट की तस्करी के लिए भारत में इकाई की स्थापना करने की कोशिश में लगा है और पाकिस्तानी एजेंसियों और आतंकी संगठनों के साथ मिलकर आतंकी हमले करने की फिराक में है। जांच एजेंसी ने इब्राहिम के करीबी शकील शेख उर्फ छोटा शकील पर 20 लाख रुपए और हाजी अनीस उर्फ अनीस इब्राहिम शेख, जावेद पटेल उर्फ जावेद चिकना और इब्राहिम मुश्ताक अब्दुल रज्जाक मेमन उर्फ टाइगर पर 15-15 लाख रुपए का नकद इनाम देने की भी घोषणा की है। ये सभी 1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों के मामले में वांछित आरोपी हैं। एजेंसी ने फरवरी में डी कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एनआईए ने एक बयान में कहा कि दाऊद इब्राहिम कासकर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक वैश्विक आतंकवादी नामित किया गया है, जो एक अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी नेटवर्क चलाता है, जिसका नाम डी-कंपनी है, जिसमें अनीस इब्राहिम शेख, छोटा शकील, जावेद चिकना और टाइगर मेमन जैसे उसके करीबी सहयोगी शामिल हैं। .दाऊद 1993 के मुंबई बम धमाकों में भारत का मुख्य वांछित अपराधी है। उन धमाकों में 250 से ज्यादा निरीह लोगों की जानें गई थीं। उस घटना के बाद से ही यह आतंकी भारत से फरार है और पाकिस्तान भले ही इनकार करता आया हो, यह उसी के संरक्षण में रहा और वहीं अपने ठिकाने बदलता रहा। उसके दुबई सहित कई अन्य देशों में भी होने की खबरें आती रही हैं। कोई शक नहीं कि दाऊद को पाकिस्तान व आईएसआई का संरक्षण हासिल है और उनके सहयोग से ही उसका पाकिस्तान के बाहर भी आना-जाना रहा है। वह आज भी उन्हीं की सरपरस्ती में ही वहीं कहीं होगा। जरूरत इसी तरह दबाव बढ़ाते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और इंटरपोल की मदद से उसे ढूंढ निकालने और गिरफ्तार करने की है। इसीलिए अब उसे खोजने वाले को इनाम देने का ऐलान किया गया है। भरोसा किया जाना चाहिए कि जिस तरह अबू सलेम को भारत लाने और सजा दिलवाने में कामयाबी मिली, वैसी ही सफलता दाऊद के मामले में भी जल्द मिलेगी। अपने यहां दाऊद इब्राहिम की मौजूदगी को लेकर पाकिस्तान कई बार पलटी मार चुका है। इमरान सरकार ने यह कबूला था कि दाऊद इब्राहिम उसी के यहां है और वहां उसकी संपत्तियां व बैंक खाते हैं। कराची के जिस घर में वह रहता है, उसका पता भी पाकिस्तान सरकार ने सार्वजनिक किया था। यह भी बताया गया कि दाऊद के पास चौदह पासपोर्ट हैं। पाकिस्तान सरकार की ओर से जारी 88 आतंकवादियों की सूची में भी दाऊद का नाम है। ये सब इस बात का प्रमाण हैं कि दाऊद पाकिस्तान में ही है और पूरी तरह से सरकार, सेना और आईएसआई की सुरक्षा में रह रहा है। मगर जब पाक पर दबाव बढ़ा तो वह इस सूचना से मुकर गया। यह सवाल तब भी उठा था कि पाकिस्तान पर अचानक ऐसा क्या संकट आया कि उसे अपने यहां दाऊद की मौजूदगी को दुनिया के समक्ष कबूलना पड़ा। और इससे भी बड़ा और चौंकाने वाला प्रश्न यह कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि इस कबूलनामे के तत्काल बाद पाकिस्तान अपनी बात से मुकर गया। यह कोई छिपी बात नहीं है कि पाकिस्तान दुनिया के उन चंद देशों में शीर्ष पर है जो आतंकवाद फैलाने के लिए जिम्मेदार माने जाते हैं। कहना न होगा कि आतंकवाद पाकिस्तान की सरकारी नीति का अभिन्न हिस्सा है। इसीलिए वहां बड़ी संख्या में आतंकी संगठन काम कर रहे हैं। पाकिस्तान अपने यहां आतंकियों और उनके सरगनाओं को किस तरह से सुरक्षित पनाह मुहैया कराता है, यह दुनिया अच्छी तरह जानती है। अमेरिका पर 9/11 के हमले के साजिशकर्ता और अलकायदा सरगना ओसामा बिन लादेन का मामला इस बात का प्रमाण है। लादेन पाकिस्तान के ऐबटाबाद में सेना मुख्यालय के पास बने एक घर में वर्षों से सुरक्षित रह रहा था और अमेरिका ने कार्रवाई करके उसे वहीं खत्म कर दिया था। यही मामला दाऊद का भी है। मुंबई बम कांड के बाद भारत ने न जाने कितनी बार इस बात के पुख्ता सबूत दिए कि दाऊद पाकिस्तान में ही मौजूद है, लेकिन पाकिस्तान हुक्मरानों ने कभी इस बात को नहीं माना, बल्कि इसका खंडन ही किया गया। मगर अब एनआईए ने उसकी खोज शुरू की है तो उम्मीद है कि वह जल्द ही भारत के शिकंजे में होगा और अपनी करनी की सजा भुगतेगा।

दिल्ली दूसरा घर रहा शेख हसीना का

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना तीन दिवसीय दौरे पर भारत पहुंची हैं। उनकी यात्रा दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों को मजबूत करेगी, जो ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों और आपसी विश्वास और समझ पर आधारित है।

पर शेख हसीना को अपनी इस दिल्ली यात्रा के दौरान यह शहर पहले जैसा तो नहीं लगेगा। उनकी आंखें तरसेंगी अपनी कष्ट के दिनों की सहेली को देखने-मिलने के लिये। पर न उन्हें उनकी सहेली शुभ्रा मुखर्जी और न ही सहेली के पति और भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब कुमार मुखर्जी मिल सकेंगे। दोनों दिवंगत हो चुके हैं। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना अपने दिल्ली में बिताए दिनों को कैसे भूल सकती हैं। वे यहां सन 1975-1981 के दौरान निर्वासित जीवन गुजार रही थीं। उनके साथ उनके पति डॉ. एम.ए. वाजेद मियां और दोनों बच्चे भी थे। वह पंडारा पार्क के एक फ्लैट में रहती थीं। उस कठिन दौर में प्रणब कुमार मुखर्जी और उनकी पत्नी शुभ्रा मुखर्जी उनके साथ रहे। शेख हसीना और शुभ्रा मुखर्जी खूब करीब आ गये थे। दोनों परिवारों का लगातार मिलना-जुलना रहता था। दरअसल शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक बंग बंधु शेख मुजीब-उर-रहमान, मां और तीन भाइयों का 15 अगस्त, 1975 को कत्ल कर दिया गया था ढाका के धनमंडी स्थित आवास में। उस भयावह कत्लेआम के समय शेख हसीना अपने पति वाजेदमियां और बच्चों के साथ जर्मनी में थीं। इसलिए उन सबकी जान बच गई थीं। वाजेदमियां न्यूक्लियर साइंटिस्ट थे। वे जर्मनी में ही कार्यरत थे। शेख हसीना पंडारा रोड में शिफ्ट करने से पहले कुछ सप्ताह तक राजधानी के 56 लाजपत नगर- पार्ट तीन में भी रही थीं। उधर से बाद के कई सालों तक बांग्लादेश का हाई कमीशन काम करता रहा। अब हाई कमीशन चाणक्यपुरी में है।

जाहिर है कि शेख हसीना परिवार के कत्लेआम से टूट चुकी थीं। तब प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने उन्हें भारत में राजनीतिक शरण देने का फैसला लिया था। श्रीमती इंदिरा गांधी और शेख मुजीब-उर-रहमान के पारिवारिक संबंध थे। शेख हसीना का उस हत्याकांड के बाद बांग्लादेश वापस जाने का सवाल ही नहीं था। दिल्ली में शेख हसीना अपने परिवार के साथ प्रणब मुखर्जी के तालकटोरा रोड वाले घर में लगातार जाती थीं। तब दोनों परिवारों के बच्चे भी करीब आये। कुछ समय के बाद उन्होंने आकाशवाणी की बांग्ला सेवा में काम करना भी शुरू कर दिया था ताकि समय बीत सके। शेख हसीना 1981 में स्वदेश वापस चली गईं, पर उनके मुखर्जी परिवार से संबंध अटूट रहे। वह जब भी दिल्ली आईं तो शुभ्रा जी और प्रणब मुखर्जी के साथ कुछ वक्त मिलने का अवश्य निकालती रहीं। शुभ्रा मुखर्जी शिक्षिका थीं। वह राजधानी के लेडी इरविन स्कूल में पढ़ाती थीं। शुभ्रा जी और शेख हसीना में कला, संगीत और बांग्ला साहित्य पर चर्चा होती थी। उनका 18 अगस्त, 2015 को निधन हो गया था। शेख हसीना तब अपनी पुत्री पुतुल के साथ खासतौर पर प्रणब मुखर्जी से संवेदना व्यक्त करने आई थीं। उनकी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अगवानी करने प्रणब दा की पुत्री शर्मिष्ठा मुखर्जी पहुंची थीं। पुतुल और शर्मिष्ठा ने भी साथ-साथ गुड्डियों के खेल खेले थे।

जब शेख हसीना दिल्ली में रहा करती थीं तब उनके पिता की पार्टी अवामी लीग के नेता लगातार उनसे मिलने के लिए आते थे। उनसे आग्रह करते थे कि वे देश की राजनीति में एक्टिव हो जाएं। लंबे समय तक टाल-मटोल करने के बाद उन्होंने बांग्लादेश की राजनीति में कूदने का मन बनाया था। तब वह 1981 में स्वदेश लौट गई थीं।

बेशक, शेख हसीना के लिये दिल्ली दूसरे घर की तरह रहा। आपको यहां पर उनके पिता शेख मुजीब-उर-रहमान के नाम पर एक सड़क देखने को मिल जाएगी। इसका नाम 2017 तक पार्क स्ट्रीट था। यह सड़क राम मनोहर लोहिया अस्पताल के करीब है। शेख मुजीब-उर-रहमान बांग्लादेश के मुक्ति आंदोलन में केंद्रीय शख्सियत रहे थे। वे 10 जनवरी, 1972 को दिल्ली आए थे। उन्होंने बांग्लादेश के मुक्ति आंदोलन में भारत के सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया था। उनका हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनकी सारी कैबिनेट ने स्वागत किया था। हवाई अड्डे पर दोनों देशों के राष्ट्रगान हुए। उन्होंने कोलकाता के मौलाना आजाद कॉलेज से कानून की पढ़ाई की थी और वहां पर छात्र राजनीति में शामिल हुए थे। शेख हसीना का दिल्ली की सड़कों, पेड़ों, परिंदों वगैरह को प्यार करना समझ आता है।

इस बीच, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद आखिरी बार अक्तूबर, 2019 में भारत आई थीं। उनकी भारत यात्रा ऐसे समय में होने जा रही है जब वैश्विक आर्थिक संकट के कारण ढाका ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार को स्थिर करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का दरवाजा खटखटाया है। इसके साथ ही बांग्लादेश चाहता है कि भारत-बांग्लादेश के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते के लिए बातचीत शुरू हो। इसमें कोई शक नहीं है कि शेख हसीना भारत की मित्र हैं। उनके मन में भारत के प्रति कृतज्ञता का भाव भी है।

लेखक— विवेक शुक्ला

धार के कारम डैम के बाद गांधी सागर बांध की बारी, कैग की रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

धार के कारम डैम के बाद अब क्या मंदसौर के गांधी सागर बांध की बारी है...? कैग की रिपोर्ट तो यही कह रही है कि बांध पर संकट है। 2019 में आयी भीषण बाढ़ ने बांध को काफी नुकसान पहुंचाया है। कैग की रिपोर्ट के बाद प्रशासन सतर्क हो गया है और सर्वे के लिए 10 टीम बना दी गयी हैं। अगर बांध पर आंच आयी तो इसके कारण करीब 40 लाख की आबादी खतरे में पड़ जाएगी।

मध्यप्रदेश के मंदसौर में चंबल नदी पर बना गांधी सागर बांध कैग की रिपोर्ट के अनुसार खतरे में है। 2019 में आई भीषण बाढ़ के बाद गांधी सागर बांध की बालकनी के ऊपर से पानी छलक पड़ा था। बांध का पावर हाउस भी पूरी तरह से ठप हो गया था। बांध की परिधि में रहने वाले लोगों और यहां पर होने वाली गतिविधियों के ऊपर भी जब प्रश्नचिन्ह खड़े हुए तो प्रशासन जागा और अब वहां पर तकनीकी और अन्य सर्वे शुरू करवा दिया गया है। कलेक्टर गौतम सिंह ने अलग-अलग सर्वे दल गठित किए हैं। सभी को 15 दिन में रिपोर्ट देनी है। गांधी सागर बांध की 5 किलोमीटर की परिधि में ड्रोन से वीडियो और फोटोग्राफी पर भी रोक लगा दी गयी है। पूरे इलाके में धारा 144 लागू कर दी है।

कमजोर हो गया बांध

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने अपनी अंकेक्षण रिपोर्ट में प्रदेश के जर्जर बांधों पर आपत्ति ली थी। मंदसौर जिले में चंबल नदी पर बंधे गांधी सागर बांध में वर्ष 2019 में पानी का रिसाव हुआ था। रिपोर्ट में कहा गया था कि, बांध के डाउन स्ट्रीम में गहरे गड्ढे हो गए हैं। गांधी सागर बांध कमजोर हो गया है। इसलिए आस पास की बस्ती सहित डैम के इलाके में पड़ने वाली लाखों की आबादी पर खतरा मंडरा रहा है। कैग ने रिपोर्ट में कहा है बांध को मरम्मत की जरूरत है।

बांध के आसपास धारा 144

कैग की रिपोर्ट के बाद प्रशासन ने गांधी सागर बांध के 5 किलोमीटर के दायरे में धारा 144 लागू कर दी है। इस परिधि में ड्रोन से बांध के आसपास फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी प्रतिबंधित कर दी गई है। कलेक्टर गौतम सिंह ने अलग-अलग टीमें गठित कर सर्वे करना भी शुरू कर दिया है। ये टीमें बांध की स्थिति का आंकलन और आसपास अवैध रूप से सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर रह रहे लोगों का सर्वे करेंगी। कुल 10 टीम बनाई गई हैं। इनमें राजस्व, सिंचाई, पुलिस, शिक्षा,आंगनवाडी कार्यकर्ता और अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी शामिल हैं। प्रत्येक टीम में 8 सदस्य हैं। गांधी सागर पंचायत की जनसंख्या 8850 और 20 वार्ड हैं। जांच दल को 15 दिन में रिपोर्ट तैयार करके देना है। गांधी सागर बांध के आस पास रहने वाले लोगों में अधिकतर बंगाल से आए हुए मछुआरे हैं। कई लोग बांध के निर्माण के समय यहां आ गए थे. उस समय से यहीं पर रह रहे हैं। कुछ ऐसे भी हैं जो भारत विभाजन के समय यहां पर आ गए थे।

सर्वे टीम 15 दिन में रिपोर्ट देगी

कलेक्टर गौतम सिंह ने बताया कि, गांधी सागर बांध को कोई खतरा नहीं है। लेकिन कैग की रिपोर्ट के बाद अलग-अलग टीमें गठित कर दी गई हैं। एक टीम तकनीकी दृष्टि से बांध को देख रही है, जहां पर बांध को खतरा हो सकता है वहां पर मरम्मत की जाएगी। दूसरी टीम स्थानीय जनसंख्या का सर्वे कर रही है। यह जानकारी मिली थी कि, वहां पर कई लोग शासकीय जमीन पर अतिक्रमण करके रह रहे हैं। 15 दिन में जांच दल की रिपोर्ट आएगी उसके बाद ही कुछ निर्णय लिया जाएगा।

40 लाख की आबादी पर खतरा

कैग की रिपोर्ट के बाद कलेक्टर गौतम सिंह ने गांधी सागर बांध की के सर्वे के लिए जो टीमें बनायी हैं वो देर से ही सही पर एक सही फैसला है। अगर गांधी सागर बांध खतरे में पड़ा तो इसकी वजह से राजस्थान, मध्य प्रदेश सहित करीब 40 लाख से ज्यादा की आबादी खतरे में पड़ जाएगी।

मंत्री जी के वार्ड की सभी स्ट्रीट लाइट से बिजली हुई गायब...!

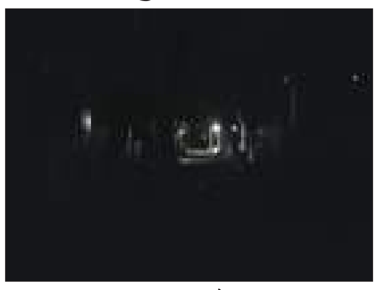

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

भारी बारिश के चलते श्रीनगर की स्ट्रीट लाइट बंद हो गई थी जो अभी तक चालू नही हुई है। बात दे कि, यह शुजालपुर के मेन बाजार में जाने का सहायक मार्ग है जिसपर आवागमन लगातार लगा रहता है। इसकी खास बात यह है कि, इसी कॉलोनी में शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार निवासरत है लेकिन उनके घर के सामने की स्ट्रीट लाइट चालू है बाकी सब बन्द पड़ी है। क्या अब नगर परिषद माथा देखकर तिलक कर रही है। जिसमे किसे सुविधा देने है ओर किसे नही। दूसरी तरफ गाड़ी चोरी होने का सिलसिला शहर में लगातार चालू है। जिसके कारण कॉलोनी के सभी निवासियों को चोरी का भय लगातार बना रहता है। इसके पहले भी श्रीनगर कॉलोनी में कई बार गाड़ी चोरी की घटनाए हो चुकी है जिसकी सूचना कॉलोनी निवासियों ने पुलिस को दी है। शुजालपुर नगर में 2 दिन पूर्व ही भाजपा के नव निर्वाचित अध्यक्ष एवं पार्षदों ने नगर पालिका में पदभार ग्रहण किया है लेकिन शायद अपने कर्तव्य का भार उन्हें याद नही।

डीएस पैथोलॉजी लैब को किया सील

माही की गूंज, रतलाम।

स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर कलेक्टर एक बार फिर एक्शन में दिखे। जिला कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी के निर्देश पर एसडीएम संजीव पांडे द्वारा कार्रवाई करते हुए शहर के अलकापुरी शॉपिंग कांप्लेक्स स्थित डायग्नोस्टिक्स पैथोलॉजी लैब को सील कर दिया गया है। जांच करने के लिए पहुंचे एसडीएम पांडे ने पाया कि लैब की अधिकृत डॉ. श्रीमती स्मृति तिवारी पांडे द्वारा लैब संचालन किया जा रहा है। उनके द्वारा लैब में पोलूशन बोर्ड का प्रमाण पत्र एवं मेडिकल वेस्ट को मैनेज करने हेतु जो एग्रीमेंट अनिवार्य रूप से किया जाता है वह मौके पर लेब की संचालिका द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया।

साली की हत्या कर जीजा ने लगाई खुद को फांसी

माही की गूंज, मंदसौर।

भीलवाड़ा में साली की हत्या के बाद आक्यापालरा में आकर युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। नारायणगढ़ थानान्तर्गत आक्यापालरा निवासी रामप्रताप उर्फ बंटी उर्फ प्रकाश (30) पिता सत्यनारायण बावरी ने मंगलवार सुबह गांव में घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन की सूचना पर नारायणगढ़ पुलिस पहुंची, शव का पीएम कराने के बाद परिजन को सौंप दिया।

पत्नी की मौत के बाद साली को रखा अपने पास

रामप्रताप ने अपनी पत्नी की मौत हो जाने के बाद साली कन्या बावरी को रख लिया था। करीब दस दिन पहले कन्या, रामप्रताप को बिना बताए भीलवाड़ा मारुति नगर निवासी बहन के प्रसव होने पर उसकी देखरेख करने चली गईं। इससे रामप्रताप क्रोधित हो गया। उसने कन्या बावरी के पिता को वीडियो भेजा। लिखा कि मैं कन्या को मार दूंगा। फेसबुक पर स्टेटस डाला कि मारकर ही मरूंगा।

स्कूल के पास झाड़ियों में मिला शव

दो दिन पहले आक्यापालरा से भीलवाड़ा पहुंचे रामप्रताप ने कन्या बावरी को मिलने बुलाया। हत्या कर उसका शव कोटा मार्ग पर केंद्रीय विद्यालय के पास झाड़ियों में फेंक दिया। जिसे भीलवाड़ा पुलिस ने मंगलवार सुबह बरामद किया।

शव की शिनाख्त भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा बावरियों का बोरड़ा निवासी कन्या बावरी के रूप में हुई। परिजन से चर्चा की तो उन्होंने रामप्रताप पर हत्या की आशंका जताई। पुलिस मंदसौर पहुंच पाती उससे पहले रामप्रताप ने आक्यापालरा में स्वयं के घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

शिक्षक दिवस पर यूथ प्रेस क्लब ने शिक्षकों का किया सम्मान

माही की गूंज, भानपुरा।

शिक्षक दिवस के अवसर पर यूथ प्रेस क्लब द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। आयोजन में सेवानिवृत व उत्कृष्ट शिक्षक, सीएम प्राइस स्कूल के शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रुप में पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा भाजपा जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि विनीत यादव, प्रदेश यूथ कांग्रेस सचिव दुर्गेश पटेल, वरिष्ठ पत्रकार करण भूटानी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी कमलेश कुमार चंदेल, सीएम राईस स्कूल के प्राचार्य सुनील तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती व राधाकृष्ण सर्वपल्ली के चित्र पर माल्यार्पण कर, यूथ प्रेस क्लब सचिव सुनील माली द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर किया गया। कार्यक्रम में पधारे अतिथि श्री तिवारी द्वारा शिक्षकों को बधाई देते हुए और शिक्षक के कार्य कि सरहाना करते हुए अधिक कार्य करने की प्रेरणा दी गई।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री चंदेल ने बताया कि, सभी शिक्षक अपना कार्य जिम्मेदारी से निभाएंगे तो सम्मान करने वाले उन तक स्वत ही पहुंच जाएंगे। उन्होंने यूथ प्रेस क्लब की सराहना करते हुए धन्यवाद दिया। वरिष्ठ पत्रकार करण भूटानी ने यूथ प्रेस क्लब के सभी साथियों का हौसला अफजाई करते हुए कार्यक्रम को निरंतर करने को कहा। दुर्गेश पटेल द्वारा सभी शिक्षक को बधाई देते हुए कार्यक्रम में बुलाने पर स्कूल के सभी स्टाफ यूथ प्रेस क्लब का धन्यवाद व आभार प्रकट किया।

विनीत यादव द्वारा कहा गया कि, मेरे पिताजी द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में कई कार्य किए गए जो आज नीव का पत्थर बने हुए हैं। मैं आप लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि मैं हमेशा शिक्षा और शिक्षकों के लिए हमेशा आपके साथ खड़ा मिलूंगा। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक भीमसेन वधवा द्वारा किया गया।

यूथ प्रेस क्लब अध्यक्ष साहिल अगवान ने कार्यक्रम का आभार प्रकट करते हुए कहा कि, 2 वर्ष से निरंतर शिक्षक सम्मान समारोह यूथ प्रेस क्लब द्वारा किया जा रहा है। जिंदा रहे तो पिछले वर्ष वापस यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में यूथ प्रेस क्लब सचिव सुनील माली, कोषाध्यक्ष सूर्य प्रकाश भट्ट सह सचिव विजेंद्र बना, कमल राठौर सलमान अंसारी मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने पूर्व विधायक जसवंत सिंह हाड़ा का किया सम्मान

माही की गूंज, शुजालपुर।

न जाति की राजनीति करूंगा, ना धर्म की राजनीति करूंगा, कैसे हो मेरे क्षेत्र का विकास, मैं उस रणनीति की बात करूंगा। अपने इन्हीं सिद्धांतों के बल बूतों पर चले शुजालपुर विधानसभा के विकास पुरुष पूर्व विधायक जसवंत सिंह हाडा द्वारा ग्राम नान्याखेड़ी में किए गए विकास कार्यो के कारण एक बार फिर उन्हें गांव के कार्यक्रम में बुलाकर सम्मानित किया गया। उनके विकास का बखान कर ग्रामीणों ने गांव की पुरानी स्थिति को बया कर दोहराया। जिस समय गांव के लोगो को शहर में अपना व्यापार करने के लिए कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। यहीं नहीं स्कूल व अस्पताल तक पहुंचने के लिए 5 किलोमीटर किचड़ में चलना पड़ता था। आजादी के बाद से ही पक्की सड़क ना होने से ग्रामीणों को परेशानी कि सामना करना पड़ता था। उनकी इसी परेशानी को देखते हुए जसवंत सिंह हाडा ने गांव को शहर से ही नहीं जोड़ा बल्कि शुजालपुर शहर को कई गाँवो से जोड़ दिया। उनके इसी कार्य की सराहना करते हुए उन्हें विकास पुरुष के नाम से पहचाना जाता है। एक समय में ग्रामीणों को शुजालपुर पहुंचे के लिए कीचड़ और नदी पारकर पानी से होते हुए गुजरना पड़ता था। क्यो की गांव के अधिकतम किसानो का व्यापार दूध और सब्जी ही था। जिसे बेचकर अपने परिवार का गुजारा कर जीविका चलाते थे। आज वही सुगमता से गांव से शहर एवं अन्य रास्तों को जोड़कर नान्याखेड़ी को वर्चस्व में लाया है। यहां का अधिकतर किसान छोटा व मध्यम वर्गीय है जो सिर्फ सब्जी वह दूध के व्यापार पर आश्रित होकर अपने परिवार का गुजारा करता आया है। गांव की प्रत्येक बाधाओं को विकास की गति देकर गांव की दिशा और दशा को नया मोड़ देने वाले विकास पुरुष जसवंत सिंह हाडा ही है जिन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को गहराई तक जाकर सोचा और उनके प्रयास ने गांव मैं विकास की गंगा बहा दी।

इस अवसर पर ग्राम नान्याखेड़ी में स्थित गुरुकृपा वैयर हाऊस के संचालक मानस राठौर के द्वारा फूल मालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य मनोहर सिंह बाघेला, पुर्व मंडल अध्यक्ष बाबुसिंह, विरेन्द्र सिंह, रोहित दीक्षित, महेश मेवाड़ा सरपंच ग्राम पंचायत अख्त्यारपुर व ग्रामीण मौजूद रहे।

चरस तस्करी के मामले में गिरफ्तार आरोपी पुलिस रिमांड पर

माही की गूंज, मंदसौर। साढ़े तीन किलो चरस तस्करी के मामले में गिरफ्तार आरोपी को कोर्ट ने 4 दिन पुलिस रिमांड पर सौंपा गया है। पिपलिया पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सोमवार रात फोरलेन पिपलिया चौपाटी पर नाकाबंदी की। इस दौरान एक बाइक सवार पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने पीछे बैठे व्यक्ति को पकड़ लिया, इसके पास एक थैले की तलाशी ली तो उसमें साढ़े तीन किलो चरस बरामद हुई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी पहचान मंदसौर खानपुरा निवासी सत्यनारायण उर्फ बंटी धोबी होना बताई वहीं, मौके से भाग जाने वाले आरोपी की पहचान खानपुरा निवासी मुबारिक होना बताई। एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी सत्यनारायण को एनडीपीएस एक्ट न्यायालय में पेश किया। जिसे 10 सितम्बर तक पुलिस रिमांड पर सौंपा। पिपलिया टीआई नरेंद्र यादव ने बताया, आरोपी चरस कहां से लाया था तथा कहां देने जा रहा था, इस सम्बन्ध में पूछताछ जारी है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया शांतिनाथ दि. जैन मंदिर में पयुर्षण पर्व

माही की गूंज, शुजालपुर।

शुजालपुर मंडी स्थिति श्री शांतिनाथ दि. जैन मंदिर में पयुर्षण पर्व पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाये जा रहे हैं। प्रतिदिन धार्मिक आयोजनों के साथ ही चातुर्मास हेतु विराजित मुनि श्री 108 पायसागर जी महाराज का सानिध्य भी इस बार मिला है। उज्जैन से पधारे पं. खुमानसिंह जी जैन द्वारा उत्तम शौच धर्म के दिन अपनी ओजस्वी वाणी से तप धर्म के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होने बताया कि, मानव जीवन की सार्थकता अपनी आंतरिक शक्तियों के विकास में हैं। मानव जीवन का सार तप साधना है। मानव जीवन कड़वी तुम्बी की भांति है। यदि हम इसका उपयोग करते हैं तो वह जहर की तरह विघातक हो जाते है उसी तरह जीवन का उपभोग नहीं उपयोग करों। तप की साधना ही जीवन का श्रेष्ठतम उपयोग है। जीवन का उपयोग वही कर पाते हैं। जिनकी आत्मा जागृत होती है जो अपनी आत्मशक्ति को पहचानते हैं।

उन्होंने आगे बताया कि, यह शरीर उस काले गन्ने के समान है जो रसहीन है जिसे चूसने में कोई सार नहीं है लेकिन उसी गन्ने को भूमि पर बोने पर वह फलीभूत होकर मधुर रस प्रदान करता है। इसी प्रकार यह शरीर भी सार हीन है। इसका उपयोग करने पर यह दुःख का हेतु बनता है। परंतु इस धर्म ध्यान की भूमि में बोने पर यह अनंत फल प्रदान करता है। वस्तुतः उत्तम तप हमारी आत्मशुद्धि और उपलब्धि की सशक्त साधना है। चित्त में छायी विकृतियों के शोधन का यही एक मार्ग हैं करोड़ो वर्षो से संचित कर्म तप से निर्जरित हो जाते हैं। इच्छा का निरोध करना तप का मूल उद्देश्य है तपस्या को बिना मोक्ष की उपलब्धि संभव नहीं है। जीवन की दो परिस्थिति होती है। एक इच्छा सहित ओर दूसरी इच्छा रहित।

तापते इति तपः जो तपा जाय सो तप है, तप दोषो की निवृत्ति करता है आत्म शुद्धि के मार्ग है तप, धूप में फल पकते हैं। मिठास आ जाती है, आंच में भोजन पकता है तो स्वादिष्ट हो जाता हैं।

अवैध गतिविधियों में लिप्त बदमाशों के खिलाफ पुलिस और प्रशासन की लगातार कार्यवाही जारी

डेलनपुर के बाद सनावद में ढहाया अवैध अतिक्रमण

माही की गूंज, रतलाम।

शनिवार को डेनलपुर में जुवारियो के ऊपर बड़ी कार्यवाही करते हुए उनके अवैध अतिक्रमण गिराए गये थे। रतलाम प्रशासन लगातार अपनी कार्यवाही जुआंरियों, सटोरियों और अवैध गतिविधियों में लिप्त बदमाशों के खिलाफ जारी रखे हुए है। यहां पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई मंगलवार को भी चली, समीपस्थ ग्राम सनावदा में ब्रिज के पास के पोल्ट्री फार्म से लगे इसरार हाजी पिता हारुन निवासी शैरानीपुरा के मकान को प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर नेस्तानाबूत कर दिया। यह मकान पोल्ट्री फार्म के संचालक इरसार नामक युवक का है जो रतलाम के शैरानीपुरा में रहता है।

जुएं का अड्डा बना था मकान

गत 3 सितंबर को इसी पोल्ट्री फार्म के नजदीक के मकान में करीब एक दर्जन लोग जुआं खेलते हुए मिले थे। पुलिस की दबिश के दौरान तीन आरोपी गिरफ्त में आए थे जबकि शेष मौके का फायदा उठाकर भाग गए थे। पुलिस ने 11 बाइक यहां से बरामद की थी। मौके से भागे आरोपियों में से छह आरोपियों को पुलिस ने दूसरे दिन गिरफ्तार कर लिया था। सभी पर जुआं एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया गया।

अवैध रूप से बना था मकान

जनपद पंचायत रतलाम के सीईओ रामपालसिंह ने बताया, गत दिनों सालाखेड़ी पुलिस ने इस मकान में जुआं खेलते हुए कई लोगों को गिरफ्तार कर बाइक बरामद की थी। यह मकान सनावदा ग्राम पंचायत की सीमा के अंतर्गत ब्रिज से लगे पोल्ट्री फार्म के पास अवैध रूप से इसरार नामक युवक ने बना रखा था। इसके लिए ग्राम पंचायत से किसी तरह की कोई अनुमति नहीं ली गई थी। दस्तावेजों के बारे में व्यक्ति से पूछताछ में कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं करवा पाया। इसके बाद पुलिस प्रशासन की मदद से खेत पर बने इस मकान को ध्वस्त कर दिया गया।

ये पकड़ाए थे पोल्ट्री फार्म से

पोल्ट्री फार्म पर दबिश देने पर कुछ लोग मौके से फरार होने में सफल हो गए थे। मौके से इमरान पिता अनवर खान 32 निवासी कोटडा व फैजान खान खान पिता सलीम खान निवासी खाती पुरा को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करने पर फरार के नाम राजा पिता सईद खान निवासी शैरानीपुरा, लियाकत अली पिता मुश्ताक अली निवासी ओझाखाली, मोहम्मद इस्माइल पिता बशीर खान शैरानी निवासी खातीपुरा, मुकेश पिता ओंकार लाल पाटीदार निवासी ग्राम रांकोदा, जफर अली पिता जहूर अली सैयद निवासी शैरानीपुरा, सलीम पिता रशीद खान निवासी शैरानी पुरा होना बताया था। घटना स्थल से आरोपियों की 11 बाइक भी जब्त की गई थी।

सरपंच-सचिव ने एटीएम से निकाले रुपए

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के समक्ष खेरकुंडी के मजदूरो ने सरपंच सचिव द्वारा एटीएम से राशि निकालने की शिकायत की है। आवेदकों में रामु, सरदार, हीरालाल, देवीसिंह, अनिल, रामदास और भुरला ने बताया कि मनरेगा की मजदूरी निकालने के लिए बैंक शाखा से मिलकर सभी का खाता खुलवाया गया और एटीएम बाद में देने की बात कही गई। सरपंच और सचिव ने सभी के एटीएम कार्ड अपने पास रख कर सभी के खातों से मनरेगा की मजदूरी निकाली गई। कलेक्टर श्री कुमार ने मामले की गंभीरता समझते हुए आवेदन को टीएल मार्क किया और जांच करने की बात कही। उन्हें 15 दिनों बाद आने का समय दिया गया है।

कपास के मुहुर्त पर आई 58 बेलगाड़ी और 107 वाहन

माही की गूंज, खरगोन। कृषि उपज मण्डी खरगोन में बुधवार को शुभ मुहुर्त से कपास खरीदी का शुभारंभ किया गया। कृषि मण्डी के कपास के शुभ मुहुर्त पर विक्रय के लिए 58 बेलगाड़ियां और 107 वाहन आए। शुभ मुहुर्त पूर्व कृषि राज्यमंत्री बालकृष्ण पाटीदार, विधायक रवि जोशी, सांसद प्रतिनिधि श्री कल्याण अग्रवार एवं मयाराम पाटीदार, एसडीएम एवं भार साधक अधिकारी मिलिंद ढोके, किसान संघ के अध्यक्ष सदाशिव पाटीदार, सीताराम पाटीदार, मण्डी सचिव केडी अग्निहोत्री तथा व्यापारियों में मंजीतसिंह चावला, कैलाश अग्रवाल, मन्नालाल जायसवाल, राजेश मोहन आदि की उपस्थित में कपास की खरीदी की गई। शुभ मुहुर्त में कपास की पहली गाड़ी के भाव 11 हजार 101 रूपये खरगोन के कृषक राजेन्द्र रघुवंशी को प्राप्त हुए। इस दौरान कपास के न्युन्तम भाव 7 हजार 300 रू, अधिकतम 1 हजार 200 रू. तथा उच्चतम भाव 9 हजार 100 रूपये रहे।

नगर पालिका के साधारण व्यापक सम्मेलन का हुआ आयोजन

माही की गूंज, खरगोन।

खरगोन नगर पालिका परिषद का प्रथम साधारण व्यापक सम्मेलन का आयोजन मंगलवार को नगर पालिका कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि कल्याणजी अग्रवाल एवं नगर के समस्त पार्षदगण उपस्थित हुए। बैठक के प्रारम्भ में उपस्थित अध्यक्ष, श्रीमती छाया अरूण जोशी, उपाध्यक्ष भोलू कर्मा एवं समस्त पार्षदों के ने सरस्वती पूजन के पश्चात् परिचय देते हुए बैठक प्रारम्भ करने की घोषणा की गई।

बैठक के प्रारम्भ में मुख्य नगर पालिका अधिकारी के द्वारा सामान्य चर्चा में आगामी पॉच वर्षो में नगर विकास में करवाये जाने वाले मुख्य कार्यो के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। नगर में दो रिंग रोड़ जिसमें एक नेशनल हाईवे और दूसरा नगर पालिका स्तर पर रिंग रोड़ बनाये जाने की आवश्यकता बताई गई। इसी के साथ ही किला परिसर का विकास कार्य, स्वीमिंग पूल, नगर में एक ट्रांसपोर्ट नगर का निर्माण, शहर की बढ़ती हुई आबादी को दृष्टिगत रखते हुए एक नया बस स्टेण्ड, तथा नगर में होने वाले समस्त सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किए जाने हेतु एक कम्यूनिटी हॉल ऑडिटोरियम का निर्माण, नगर पालिका का एक कार्यालय भवन का निर्माण, निकाय आधिपत्य की रिक्त भूमियों राजेन्द्र नगर, नूतन नगर एवं अन्य भूमियों पर योजनाओं का क्रियान्वयन कराए जाने के संबंध में परिषद के समक्ष प्रस्तावित योजनाएं रखी।

इसी प्रकार बैठक में प्रस्तुत एजेण्डे में उल्लेखित विषयों का वाचन करते हुए सर्वप्रथम नगर में सीवरेज लाईनों के चेम्बरों की साफ-सफाई हेतु एक मशीन क्रय किए जाने, अमृत कार्य योजना 2.0 की डी.पी.आर. की स्वीकृति हेतु प्रस्ताव शासन को भेजे जाने की स्वीकृति, नगर के समस्त वार्डो में आवश्यक मरम्मत का कार्य कराये जाने की स्वीकृति, नामांतरण प्रकरणों का निराकरण किए जाने पर विचार, कुन्दा नदी के तट पर स्थित सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की ऑनलाईन मॉनिटरिंग के लिए सेंसर बेस्ड सिस्टम स्थापित किये जाने की स्वीकृति, पात्र अधिकारी/कर्मचारियों को शासन निर्देशानुसार समयमान वेतनमान प्रदान किए जाने की स्वीकृति, नगर के प्रकाश व्यवस्था हेतु आवश्यक सामग्री क्रय किए जाने के साथ ही पथ प्रकाश व्यवस्था का निरंतर स्वचालन हेतु मेन-स्वीच-पेनल क्रय किए जाने की स्वीकृति, कार्यालय भवन में स्थित टाउन हॉल का रिनोवेशन का कार्य कराये जाने, वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु नीलाम किए गए बाजार बैठक शुल्क वसूली ठेके की अनुशंसा एवं दाता हनुमान मंदिर के सामने निर्मित कॉम्प्लेक्स के प्रथम तल पर उज्जवला चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा समिति खरगोन को 10 हॉल मासिक किराये पर दिए जाने की सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई।

अंत में उपस्थित समस्त पार्षद का आभार व्यक्त करते हुए बैठक समाप्ति की घोषण के पश्चात् स्वरूचि भोज का आयोजन किया गया।

कृषि मंत्री कमल पटेल का दिल्ली मिशन लाया रंग

माही की गूंज, खरगोन।

मध्यप्रदेश के 32 जिलो में मूंग फसल की बंपर पैदावार हुई है। शिवराज सरकार मूंग फसल की खरीदी उपार्जन केंद्रों पर दिल खोलकर कर रही है। जिससे प्रदेश के किसानों के चेहरे कमल की तरह खिल उठे हैं। ऐसे में एक बार फिर उनके चेहरों पर कमल की तरह मुस्कुराहट आ गई है।

किसान नेता एवं सूबे के कृषि मंत्री कमल पटेल ने बताया कि, केंद्र की मोदी सरकार ने प्रदेश के किसानों की चिंता की है। पूर्व में भारत सरकार ने 25 क्विंटल मूंग फसल खरीदी लिमिट के आदेश जारी किए थे। मैं किसानों की फसल खरीदी लिमिट 40 क्विंटल करने के लिए बीते सप्ताह दिल्ली में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के मार्गदर्शन में, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय कृषि सचिव भारत सरकार से मिला था और किसान भाइयों की मांग उनके सामने रखी थी। मोदी सरकार ने इस मांग पर सहमति देते हुए किसानों से 40 क्विंटल मूंग की खरीदी के आदेश आज जारी कर दिए हैं।उन्होंने कहा कि मैंने किसानों का पक्ष रखते हुए बताया था कि लिमिट बढ़ाने से किसानों को फायदा होगा।समय की बचत के साथ उनके आर्थिक नुकसान की भरपाई भी हो सकेगी।

कृषि मंत्री कमल पटेल ने किसानों से अपील करते हुए कहा है कि, किसानों से सरकार मूंग फसल की पूरी खरीदी समर्थन मूल्य पर करेगी। किसान भाइयों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। किसी किसान के पास 120 से लेकर 200 क्विंटल मूंग फसल की पैदावार हुई है तो भी सरकार उनकी फसल का एक-एक दाना खरीदेगी।एक बार जो एसएमएस आया है वही मान्य होगा। 40 क्विंटल के हिसाब से पहले, दूसरे, तीसरे और चौथे, पांचवे दिन तक भी सरकार खरीदी करेगी। उन्होंने कहा कि, एक बात जो किसानों के लिए महत्वपूर्ण है। जो मैं किसान भाइयों को बताना चाहता हूं कि जिन किसानों को एस एमएस मिले और मिलने के बाद भी उनकी फसल खरीदी का नंबर नहीं आया तो उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। उन किसान भाइयों की फसल अब पुनरू एसएमएस भेज कर खरीदी की जाएगी और पहले इसकी अवधि 7 दिन होती थी।जिसको बढ़ाकर 10 दिन कर दी गई है। मतलबअब किसानों को डबल फायदा है। एसएमएस की अवधि भी बढ़ गई और उनकी प्रतिदिन खरीदी की लिमिट सरकार ने बढ़ा दी है।

कृषि मंत्री पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का किसानों की ओर से आभार व्यक्त करते हुए प्रदेश के किसानों को इस फैसले पर बधाई दी है।

कायाकल्प में स्वास्थ्य केंद्रों पर कार्य हुए प्रारम्भ

माही की गूंज, खरगोन।

मप्र शासन के कायाकल्प अभियान के अंतर्गत अब स्वास्थ्य केंद्रों के मरम्मत के लिए 5-5 लाख की स्वीकृति के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर कार्य प्रारम्भ हुए है। स्वास्थ्य विभाग के डीपीएम मनीष भद्रवाले ने जानकारी देते हुए बताया कि, सम्पूर्ण कायाकल्प अभियान में जिले के 68 स्वास्थ्य केंद्रों को शामिल किया गया है। इसमें सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को शामिल किया गया है। 38 स्वास्थ्य केंद्रों के लिए 5-5 लाख रुपये की राशि प्राप्त हो चुकी है। इस स्वीकृत राशि से केंद्र में मरम्मत जैसे कार्य किये जाएंगे। अभी करीब 14 स्वास्थ्य केंद्रों पर कार्य प्रारम्भ कर दिए गए है। कानापुर बड़वाह के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के फ्लोरिंग और सिविल अस्पताल बड़वाह में सोलर पैनल लगाने का कार्य प्रारम्भ किया गया है। इसी तरह भगवानपुरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भी मरम्मत के कार्य प्रारम्भ हुए है। कायाकल्प अभियान के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को समय सीमा में पूरा करने के लिए कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम ने दिवाली तक का समय दिया है।

वृद्धजनों के लिए होगा विभिन्न कार्यक्रमों का होगा आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अंतर्गत जिले में 9 सितम्बर वृद्धजनों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक धर्मेन्द्र गांगले से प्राप्त जानकारी अनुसार, कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा के निर्देशन में वृद्धजनों के लिए 9 सितम्बर को शहीद भीमा नायक महाविद्यालय बड़वानी के सभागृह में परिचर्चा एवं संगोष्ठी का, 12 सितम्बर को वरिष्ठजनों का आंख, कान, नाक, गला, दांतो, ब्लड प्रेशर, शुगर, हृदय की जांच की जायेगी।

वही 14 सितम्बर को आशाग्राम ट्रस्ट में निवासरत वरिष्ठ कुष्ठ रोगियों के उपचार शिविर, 16 सितम्बर को वरिष्ठजनों के अधिकार व सुरक्षा के लिए जागरूकता रैली, 19 सितम्बर को कन्या महाविद्यालय बड़वानी में माता-पिता भरण पोषण अधिनियम पर परिचर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रंगोली, मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन, 20 सितम्बर को पोषण विषय पर परिचर्चा एवं इनडोर तथा आउटडोर गैम्स का आयोजन, 21 सितम्बर को वरिष्ठ महिलाओं के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम, इनडोर-आउटडोर गेम्स, भजन, मेहंदी, रांगोली प्रतियोगिता, 23 सितम्बर को केन्द्रीय विद्यालय बड़वानी में जिला विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया जायेगा।

निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस जिला प्रभारी पाल ने ली बैठक

आपसी सहमती बनाकर एवं एकजुटता से चुनाव लड़ने पर दिया जोर

माही की गूंज, अलीराजपुर।

आगामी नगर पालिका एवं नगर पंचायत परिषद चुनाव को लेकर मप्र कांग्रेस कमेटी द्वारा अधिक्रत जिले के प्रभारी हेमंत पाल ने बुधवार को अलीराजपुर, जोबट एवं आजाद नगर का दौरा कर कांग्रेसी नेताओ, पदाधिकारियो व पार्षदो की बैठक ली। बैठक मे निकाय चुनाव व संभावित उम्मीदवारो एवं नेताओ ने आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर चुनाव लडने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पुर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल, कार्यवाहक अध्यक्ष औमप्रकाश राठौर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष चितल पंवार सहित बडी संख्या मे कांग्रेसी नेता एवं कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

स्थानिय पटेल फार्म हाऊस पर आयोजित बैठक मे प्रभारी हेमंत पाल ने कांग्रेसी नेताओ व कार्यकर्ताओ एवं चुनाव लडने वाले संभावित उम्मीदवारो से राय-शुमारी कर मार्गदर्शन प्रदान किया। श्री पाल ने कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए कहा कि, केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार की जनविरोधी नितियो व बढती हुई महंगाई व बेरोजगारी ने आमजनो की कमर तोड दी है। भाजपा के राज मे व्यापारी, किसान, आदिवासी, दलित, पिछडा वर्ग सहित अन्य वर्ग के लोग परेशान हो चुका है। आगामी निकाय चुनाव मे कार्यकर्ता एकजुट हो जाए सभी जगह हम परचम लहराएंगे।

जिला कांग्रेस के पुर्व जिलाध्यक्ष महेश पटेल ने कहा कि, पार्टी नेता व कार्यकर्ता संगठन को मजबुत करते हुए आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर समंयवय बनाकर चुनाव लडे। श्री पटेल ने कहा कि, कांग्रेस जिले मे ताकत के साथ निकाय चुनाव मेदान मे उतरेगी। जिले की नगर निकायो मे हम कांग्रेस की परिषद बनाएंगे। कांग्रेस कार्यवाहक जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर एवं युवा विधानसभा अध्यक्ष तरुण मडलोई एवं पिछडा वर्ग जिलाध्यक्ष राजेंद्र टवली ने पार्टी एकजुटता ओर आपसी सामंजस बनाकर वार्ड चुनाव लडने पर जोर दिया। इस अवसर पर कांग्रेसी नेता सुरेष सारडा, महिला नेत्री षोभना ओकार, सानी मकरानी, खुर्षिद अली दिवान, राजेंद्र राठौर गुडडु, बारीक कुरैषी, शाबीर बाबा, शुभम श्राफ, राहुल माली, ईकबाल मदनी, सचिन राठौड, राजु मोडिया, राजु बामनिया, सोनु वर्मा, दिलीप पटेल, पुष्पराज पटेल, समरथ राठोड, भीमसिंह राठौड, उषान गरासिया, हाजी सिराजुददीन पठान, मेहबुब कुरैषी, अनुप सोमानी, गजेंद्र सोलंकी, केलाष प्रजापत, मोहन प्रजापत पटेल, राहुल भयडिया, मनीष चोहान सहित बडी संख्या मे कांग्रेसी नेता, पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भील प्रदेश विधार्थी मोर्चा ने छात्रों की मांगों को लेकर महाविद्यालय के प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज। पेटलावद। महाविद्यालय में होने वाले चुनावो की हलचल अब छात्र संगठनों में देखी जा रही है। एबीवीपी और एनएसयूआइ के बाद नए गठीत भील प्रदेश विद्यार्थि मोर्चे द्वारा लगातार महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की जरूरी मांगो को अपने बैनर पर उठा कर छात्रों के हित की बात कर रहे है। यहां आए दिन स्थानीय महाविद्यालय छात्र-छात्राओं की किसी न किसी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिसको लेकर बीपीवीएम ने संज्ञान में लेकर महाविद्यालय के प्राचार्य को ज्ञापन सोपा जिसमें छात्रों द्वारा कई जरूरी मांगे रखी गई। ज्ञापन देते समय उपस्थित जिला संयोजक रवि भाई निनामा, ब्लाक संयोजक मुकेश भाभर, सह संयोजक अन्नू सोलंकी, सह संयोजक कमलेश निनामा, मोनू निनामा, शंकरलाल बारिया, माया परमार, बंटी मैड़ा, नारजी सोलंकी, कविता परमार, विवेक गरवाल, राकेश मैड़ा, महेश गुण्डिया, रामू ताड़, किरण गरवाल, माँगीलाल मैड़ा, नंदराम निनामा, फाल्गुनी पाटीदार आदि छात्र-छात्रा उपस्थित थे। संगठन के मार्गदर्शक के रूप में मदलसिंह दायमा साहित्य कैरियर एकेडमी पेटलावद, सामाजिक मंच के कार्यकर्ता संदीप वसुनिया, ईश्वर गरवाल, धर्मेंद्र डामर, हिम्मत सिगाड आदि उपस्थित रहे।

नाली के घटिया निर्माण को लेकर दर्ज करवाई शिकायत

माही की गूंज, पेटलावद।

नगर के वार्ड नम्बर 8 में एक करोड़ रूपए की लागत से नाला निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद से ही इसमें भृष्टाचार के आरोप लग चुके है। रहवासियों ने घटिया निर्माण कार्य को लेकर समय-समय पर आवाज उठाई लेकिन फिर भी घटिया निर्माण कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। रहवासी प्रकाश पडियार द्वारा मामले में सीएम हेल्पलाइन पर की गई जिसमें ठेकेदार द्वारा घटिया किस्म की सामग्री का उपयोग कर घटिया निर्माण का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता के अनुसार मौके पर बिना इंजीनियर की मौजूदगी में ठेकेदार अपनी मर्जी अनुसार निर्माण सामग्री का उपयोग कर घटीया निर्माण को अंजाम दे रहा है। कानवन रोड़ के दोनों साइड बन रहे इस नाले की कीमत एक करोड़ से अधिक है, जब नाले का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था तब नाले के ऊपर बिछाई जाने वाली छत भर भराकर गिर चुकी थी, तब ठेकेदार ने अपना भ्रष्टाचार छुपाने के लिए आनन फानन में तत्काल दोबारा छत भर दी थी, लेकिन उसके बाद भी घटिया निर्माण में सुधार नहीं किया गया। अब फिर आसपास के दुकानदारों ने घटिया निर्माण को लेकर आवाज उठाई है, लेकिन कमीशन के खेल में सब मोन साधे है। नगर पंचायत के इंजीनियर भी मोके पर देखने मे कोई रुचि नही दिखा रहे हैं । रोड के दोनों और बन रही नालियों को सीधा नही बना कर टेढ़ा मेडा बनाया जा रहा है और अतिक्रमण को बिना हटाये एमपीआरडीसी की भूमि पर मनमाने ठंग से निर्माण चल रहा है।

ज्ञात हो कि, नगर परिषद द्वारा कार्यकाल के अंतिम दौर में करोड़ो के निर्माण कार्य के ठेके दिए है जिसमे लगातार घटिया निर्माण की शिकायत रहवासियों द्वारा की जा रही है।

खनिज विभाग ने 102 प्रकरणों में 145 लाख रुपए का लगाया जुर्माना

माही की गूंज, खरगोन। जिले में अवैध रेत व मुरुम के उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्यवाहियां की गई है। ज्ञात हो कि, खनिज विभाग द्वारा अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के मामलों में देर रात को मोटर सायकिल के माध्यम से भी कार्यवाहियां की गई।

खनिज अधिकारी सावन चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि, कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशों पर कार्यवाहियां की गई है। 1 मई से 31 अगस्त तक कि स्थिति में विभाग द्वारा कुल 102 कार्यवाहियां की गई है। ये 102 प्रकरण अवैध उत्खनन और परिवहन तथा भंडारण के हैं। इन प्रकरणों में कुल 145 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। लगाए गए जुर्माने पर 66.44 लाख रुपये की राशि जमा कराई गई है। दर्ज किए गए प्रकरणों में 69 ट्रैक्टर, 27 डंपर, 14 जेसीबी और 6 पोकलेन मशीनें जप्त की गई थी।

खनिज विभाग द्वारा की गई कार्यवाहियों में प्रकरण दर्ज करने के बाद जुर्माना लगाया जाता है। 1 मई के बाद कि गई कार्यवाहियों में सबसे बड़ी कार्यवाही में 49 लाख 95 हजार रुपये का जुर्माना 25 मई को की गई कार्यवाही में किया गया। इस कार्यवाही में 3 हजार 330 घन मीटर मुरुम का उत्खनन किया गया था। इसमें 2 पोकलेन मशीन जप्त की गई थी। इस प्रकरण में 49 लाख 95 हजार रुपये की राशि का जुर्माना किया गया था। इनके द्वारा अब तक जुर्माना नहीं भरा गया है। इसके बाद 13 जून को हुई कार्यवाही में सबसे बड़ी मानी जा सकती है। यह कार्यवाही ग्राम भसुंडा में हुई थी। इसमें एक पोकलेन और एक डंपर जप्त कर 59 लाख 2 हजार 500 रुपये का जुर्माना किया गया। वाहन मालिक महेश अशोक वर्मा ने पूरा जुर्माना भरा गया है।

वाइरल फीवर को चपेट में अंचल, सरकारी और निजी अस्पतालो में लगी मरीज़ों की भीड़

ग्राम पंचायत के पास मच्छरों के प्रकोप से बचाने के लिए पर्याप्त साधन नहीं

माही की गूंज, पेटलावद।

इन दिनों क्षेत्र पूरी तरह से वायरल बुखार की चपेट में है। यहां हर दूसरे घर मे बुखार के पीड़ित आसानी से मिल जायेंगे। आलम ये है कि, सरकार अस्पताल सहित क्षेत्र के छोटे-बड़े निजी और क्लीनर में पैर रखने तक कि जगह नही है। रोज के सैकड़ो मरीज इलाज के लिए अस्पताल और निजी क्लीनिकों पर पहुँच रहे है। बड़ी संख्या में मरीज दाहोद और रतलाम का रुख कर रहे है। मच्छरों के प्रकोप के चलते वाइरल बुखार के मामलों में लगातार व्रद्धि हो रही है लेकिन स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय ग्राम पंचायत की और से मच्छरों से बचाव के लिए कोई प्रयास तक नही किये जा रहे है।

फोग मशीन सहित, मच्छरों से बचाओ के साधन तक नही ग्राम पंचायतों के पास

बात की जाए पेटलावद विकास खण्ड की तो यहां साराँगी, करवड़, रायपुरिया, बामनिया, झकनावदा, बरवेट, बावड़ी, जामली, रामनगर, बोलासा, तारखेड़ी जैसी कई बड़ी पंचायते है। लेकिन इनमें से केवल बामनिया पंचायत के पास खुद की फोग मशीन है बाकी पंचायतो के पास वो भी उपलब्ध नही है, न ही मच्छरों से बचाव के अन्य कोई साधन डीडीटी छिड़काव आदि की कोई व्यवस्था है। ऐसे में ग्रामीण अंचल की ग्राम पंचायतों की हालत कैसे होंगे ये सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

स्वास्थ्य विभाग की और से भी कोई पहल नही

मच्छरों के प्रकोप से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग की और से कोई पहल देखने को नही मिली रही है। वाइरल बुखार के बढ़ते प्रकोप के बाद विभाग की ओर से भी दवाइयों का छिड़काव किया जाता है लेकिन इस बार कही भी ऐसा देखने नही मिला। लगातार मौसम परिवर्तन के कारण सर्दी, खासी, बुखार, हाथ पैर दर्द, सिर दर्द आदि की शिकायत आम हो गई है। कोरोना जैसी महामारी झेलने के बाद स्वास्थ्य विभाग, जिला प्रशासन और स्थानीय एजेंसियां वायरल बुखार से बचाव को लेकर कोई पहल करते नही दिख रहे है।

अति प्राचीन तेजाजी मंदिर पर दो दिवसीय उत्सव की रही धूम

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

ग्राम में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी तेजाजी मंदिर पर सत्यवीर कुंवर तेजाजी महाराज की कथा का वाचन पंडित अविनाश उपाध्याय द्वारा कथा का वाचन किया गया, जिसका बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लाभ लिया। भैरवनाथ बस स्टैंड पर भी वीर तेजाजी महाराज का नाटक किया गया। जिसमें आसपास गांव के हजारों श्रद्धालुओं ने नाटक को देखा। यह नाटक सुबह 4 बजे तक चला उसके बाद आरती और प्रसादी का वितरण हुआ। नगर के प्राचीन चमत्कारी तेजाजी मंदिर इस वर्ष भी भादवी सुदी दशमी पर धूमधाम से मनाया गया। दशमी को शोभायात्रा निशान यात्रा मंदिर प्रांगण पहुंची, मंदिर पर आसपास से आए मन्नत धारी ने मंदिर पर तांती तोड़ने का काम किया। मान्यताओं के अनुसार यह मंदिर चमत्कारी है। दशमी के दिन जहरीले जीव जंतु के विष को निकाला जाता है। छतरी एवं निशान के साथ जुलूस निकाला गया। नगर स्थित प्राचीन तेजाजी मंदिर पर तेजा दशमी का कार्यक्रम मनाने की तैयारियां 2 दिन पहले से ही चल रही थी। मंदिर पर आकर्षक विद्युत सज्जा की गई वनवासी अंचल में इस पर्व को लेकर लोगों मैं काफी उत्साह था। ग्राम मठमठ में भी तेजा दशमी पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया, तेजाजी मंदिर पर भक्तों ने दर्शन लाभ लिया।

अजगर ने जंगल में चर रही बकरी को पकड़ा, बकरी की मौत

सूचना पर वन विभाग ने अजगर को पकड़ कर जंगल में छोड़ा

माही की गूंज, आम्बुआ।

बरसात का मौसम तथा खेतों जंगलों में खरपतवार जंगली झाड़ियां तथा बढ़ती फसलो ऊंची-ऊंची घास के बीज जंगली जानवर तथा जहरीले जीव जंतुओं की भरमार हो जाती है तथा यह पालतू जानवरों एवं मनुष्य को भी शिकार बना देते हैं। ऐसी ही घटना ग्रामीण क्षेत्र मोटाउमर तथा बड़ी जुवारी के बीच हुई। जहां खेत में पास के जंगल में एक विशाल अजगर ने बकरी को पकड़ लिया। जिसे ग्रामीणों ने छुड़ाया मगर तब तक बकरी मर चुकी थी। सूचना पर वन विभाग के अमले ने अजगर को पकड़ कर जंगल में छोड़ा।

हमारे संवाददाता को 6 सितंबर की शाम लगभग 7 बजे ग्रामीण क्षेत्र मोटाउमर निवासी सरपु बघेल ने दूरभाष पर सूचना दी कि, ग्राम मोटाउमर बड़ी जुवारी के मध्य सीमा पर स्थित मोबाइल टावर के पास लगभग शाम 5 बजे एक विशाल अजगर ने घास चर रही बकरी को पकड़ लिया तथा उसे निगलने का प्रयास कर रहा था कि ग्रामीणों ने जैसे-तैसे कर बकरी को छुड़ाया मगर तब तक अजगर की जकड़ के कारण उसकी मौत हो गई। अजगर और बकरी को नुकसान न पहुंचाए इस बाबत उसने मोबाइल किया।

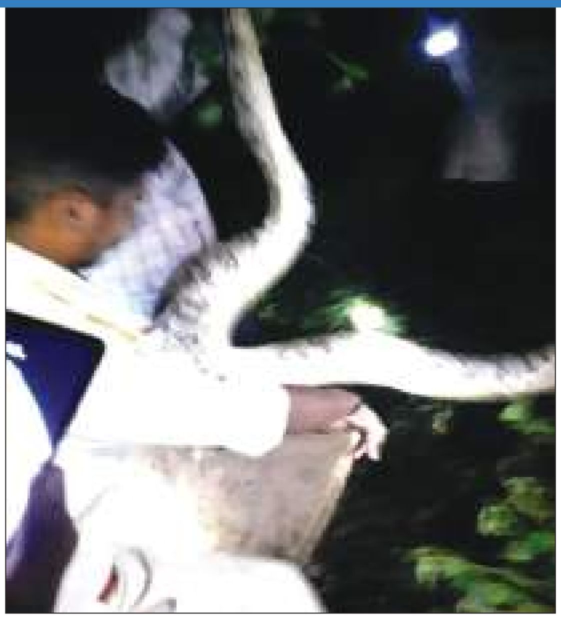

हमारे प्रतिनिधि ने स्थानीय वन विभाग एवं जोबट वन विभाग के अधिकारियों को जानकारी दी उसके बाद वन विभाग का अमला जिसमें भूरसिंह चौहान, हीरालाल बामनिया, दीपक सोलंकी तथा जीतेंद्र जमरा रात में ही घटनास्थल पर पहुंचे तथा विशाल (लगभग 15 फीट) एवं भारी अजगर को पकड़कर सुदूर जंगल में छोड़ दिया। क्योंकि वन विभाग के नियम अनुसार किसी जानवर द्वारा पशु या मनुष्य को हानि पहुंचाने पर विभाग की ओर से मुआवजा देने का प्रावधान है। इस कारण अजगर द्वारा बकरी मारे जाने पर बकरी मालिक रूपसिंह पानसिंह भील को कोई राशि नहीं दी जाएगी।

स्मरण रहे कि, कुछ वर्षों पूर्व बड़ी जुवारी क्षेत्र में एक बालक को अजगर ने पकड़ लिया था जिसे ग्रामीणों ने छुड़ा तो लिया था मगर बालक की मृत्यु हो गई थी। यह क्षेत्र अजगर बाहुल्य क्षेत्र कहा जा सकता है ग्रामीणों में दहशत बनी रहती है।

नवीन रोड़ निर्माण हेतु ग्रामवासियों ने कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, अलीराजपुर। इरशाद मंसूरी

जिले के ग्राम आमखुट के पुनियावाट रोड़ नदी पर ब्रिज निर्माणधिन है, उनके पास से पूर्व से रोड था, वर्तमान में ब्रिज निर्माण होने से पूर्व से निर्मित रोड बंद हो गया। ब्रिज के पास एक नवीन रोड़ का निर्माण को लेकर युवा कांग्रेसी नेता जितु अजनार के नेत्रत्व मे ग्रामिणजनो ने जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन नायब तहसीलदार हर्षल बहरानी को सौपकर बारिश मे आने वाली समस्याओं को देखते हुवे शीघ्र निराकरण की मांग की।

ग्रामिणजनो द्वारा सौपे गए ज्ञापन मे बताया कि, पुनियावाट रोड़ नदी पर ब्रिज निर्माण होने से बंद हो गया है। यहां पर नवीन रोड़ का निर्माण किया जाना अति आवश्यक है। इस रोड़ से आवागमन मवडी फलिया आमखुट, तडवी फलिया पानगुड़ा, कुहा, ग्राम के लगभग 350 परिवारों के लोगो के द्वारा आवागमन होता है। ग्राम के फलिये के निवासी लोग रास्ता बन्द होने से संबंध में हमने ब्रिज के ठेकेदार से बात की जिन्होंने रोड निर्माण के लिए सहमत है, और जहा रोड निर्माण किया जाना वह भुमि भी शासकीय भूमि है जिस संबंध में हमने पटवारी से भी चर्चा की है। उक्त शासकीय भूमि पर ग्राम पुनियावाट निवासी हटु पिता बालु द्वारा जबरन अतिक्रमण ग्राम पंचायत आमखुट में किया जाकर रोड पर बाधा उत्पन्न कर रहा है। जिससे ग्रामिणजन एवं जनता वर्षा ऋतु में अधिक परेशानियों हमारे स्कूल के बच्चो और शासकीय योजनाओं जेसे की 108, जननी एक्सप्रेस, आने-जाने में परेशानी उठानी पड़ती है और हमारे दो लोग बह गए अभी तक ढेड बोडी तक नही मिली। हमारे ग्राम आमखुट के ग्रामिणों की वर्षा ऋतु में आने वाले समस्याओं को ध्यान में रखते हुये शीघ्र निराकरण करने की कृपा करें। ग्रामिणजनो ने इस संबध मे दो माह पुर्व एसडीएम कठिवाडा को भी आवेदन देकर समस्याओं से अवगत कराया गया था। इस अवसर पर अमित बामनिया, अम्रत तोमर, मोरिसन बघेल, विपिन बघेल, सुरेंद्र बघेल, युसुफ भिंडे, संतोष रोनी, बसंत, अनुप, मुकेष आदि मोजुद थे।

वार्ड क्र. 16 से चंदेरी कर रहे अपनी दावेदारी, दादा रह चुके निर्दलीय नगरपालिका अध्यक्ष

माही की गूंज, अलीराजपुर।

अलीराजपुर के वार्ड क्र. 16 से तसद्दुक चंदेरिया अपनी दावेदारी कर रहे है। चंदेरी (चंदेरिया) समाज हित मे कार्य करते आ रहे है। चंदेरी ने टिकट को लेकर फिलहाल किसी पार्टी से मांग नहीं की है। तसद्दुक चंदेरिया ने बताया कि, अपनी खुद की व्यवहारिकता और मिलनसरिता और मानव सेवा मेरे लिए अपने आप में एक चुनाव चिन्ह है। जिसके दम पर और जनता की मांग और उनके विश्वास पर मेने ये संकल्प लिया है। अगर कांग्रेस पार्टी मुझ पर भरोसा करती है। तो मै सिर्फ और सिर्फ एक मात्र उसी पार्टी के चिन्ह से चुनाव लड़ूंगा अन्यथा निर्दलीय ही लड़ूंगा। अन्य पार्टीयों के नेताओ ने मुझे टिकट देने के लिए हामी भरी है, जिन्हे मै स्पष्ट रूप से मना कर चूका हूँ। मैं किसी पार्टी से चुनाव नहीं लड़ूंगा सिवाय कांग्रेस या निर्दलीय के। क्योकि चुनाव लड़ना मेरा अधिकार और पारिवारिक हिस्सा है।

युवाओ की रीड की हड्डी कहे जाने वाले आंदोलनकारी और जुल्म के खिलाफ बेबाक बोलने वाले तसददूक चंदेरी अपने आप मै एक समाज सेवी और राजीनीति के पुराने खिलाडी है। इनके लिए मानव सेवा सर्वोपरि है। वर्तमान में मुहरर्म कमेटी के अध्यक्ष और मुस्लिम यूथ सोशल असोसियेशन कम्युनिटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष है। इनके दादा जी भी अलीराजपुर में निर्दलीय नगर पालिका अध्यक्ष रह चुके है। इनके परिवार की बात करे तो शायद ही कोई होगा जो उनसे वाकिफ न होगा, पिताजी जिले की सबसे बडी सरकारी स्कूल में अपने कार्यकाल का पूरा समय सर प्रताप हायर सेकंडरी में लेब और परीक्षा प्रभारी के रूप में सेवा दें चुके है। चंदेरी तृतीय कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष भी रह चुके है।

श्री गणेश उत्सव समिति ने शिक्षकों का किया सम्मान

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ पंचायत प्रांगण में विराजे विघ्नहर्ता गौरी सूत गजानंद के दरबार में प्रतिदिन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। इसी के साथ-साथ सामाजिक दायित्व भी उत्सव समिति निभा रही है। जिसके तहत सेवानिवृत्त तथा सेवा कर रहे शिक्षकों का सम्मान भी शिक्षक दिवस पर किया गया।

ज्ञान के दाता मूसक वाहन वाले रिद्धि-सिद्धि के दाता के दरबार में आयोजनकर्ता नित- प्रतिदिन शाम को आरती प्रसादी के साथ ही विभिन्न आयोजन करा रहे हैं। इसी कड़ी में ज्ञान प्रदान करने वाले गुरुजनों जिन्होंने वर्षों तक शिक्षा का अलख जगाते रहते हुए तथा जो वर्तमान में समाज में शिक्षा का प्रकाश फैला रहे हैं, ऐसे शिक्षकों (गुरुजनों) का श्री गणेश पांडाल में शिक्षक दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया। जिसमें प्रमुख नाम है श्रीमती प्रमिला रुमणे, श्रीमती कुसुमलता सिसोदिया, इंदर सिंह चौहान, सभी सेवानिवृत्त तथा अतिंद्र त्रिपाठी, पोस्ट मास्टर कृष्णकांत जयसवाल का सम्मान महिला शक्ति श्रीमती विष्णु परिहार, श्रीमती तारामणि वर्मा, श्रीमती गीता जगताप (वर्मा), श्रीमती मंजू जयसवाल, श्रीमती शांति क्षीरसागर, श्रीमती हेमलता राठौड़, श्रीमती माया राठौर, श्रीमती संगीता चौहान ने शाल, श्रीफल तथा पुष्पमालाऔ से सम्मान किया।

युवा पत्रकार मंसुरी युनिवर्सल प्रेस क्लब के प्रदेश सचिव नियुक्त

माही की गूंज, अलीराजपुर।

यूनिवर्सल प्रेस क्लब मध्यप्रदेश का पुनर्गठन करते हुए प्रेस क्लब के प्रबंधक प्रवीण धनोतिया की सहमति एवं मध्य प्रदेश अध्यक्ष अशोक पंवार की अनुसंसा पर युवा पत्रकार इरशाद मंसुरी को युनिवर्सल प्रेस क्लब मध्यप्रदेश के प्रदेश सचिव पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर पत्रकार जगत मे हर्ष की लहर है। प्रदेश एवं जिले के पत्रकारों ने इरशाद मंसुरी को बधाइयाँ दी है। अपनी नियुक्ति पर इरशाद मंसुरी ने युनिवर्सल प्रेस क्लब मध्यप्रदेश के पदाधिकारीयों का आभार मानते हुए कहा कि संगठन ने मुझे जो जिम्मेदारी सोपी है। उसका मैं सफलतापूर्वक निर्वहन कर सक्रियता से संगठन को मजबूत दिशा मे कार्य करता रहूंगा।

डोल ग्यारस पर बैंड-बाजों के साथ निकला भगवान का डोला

रंगारंग भजनों की प्रस्तुति पर झूमे भक्त

माही की गूंज, आम्बुआ।

योगीराज भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव जन्माष्टमी को मनाया गया तथा देव झुलनी एकादशी पर उनका भव्य डोला कस्बे में निकाला जाकर हथिनी नदी में स्नान बाद महाआरती की गई।

आम्बुआ श्री राम मंदिर प्रांगण में भगवान श्री कृष्ण का भव्य पालकी (डोला) भक्तों ने अपने कंधों पर उठाकर निकाला। बैंड की मधुर स्वलहरियों तथा मनमोहक भजनों पर श्रद्धालु जमकर झूमे। भगवान का डोला कस्बे में निकाला गया, जिसका स्थान-स्थान पर भव्य स्वागत पूजन महिलाओं द्वारा किया गया। जुलूस में ''आलकी की पालकी जय कन्हैया लाल की'', ''नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की'', ''हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की'', ''प्रभु आपकी जय हो'' के उद्घोष से वातावरण गुंजायमान हो गया। कस्बे में घूमने के बाद डोला हथनी नदी पहुंचा जहां भगवान को जल में स्नान करया गया। इसके बाद शंकर मंदिर प्रांगण में भगवान की पूजा-अर्चना के बाद महाआरती की गई। पुजारी शंकर लाल पारीख ने आरती पश्चात फरियाली खिचड़ी, मौसमी ककड़ी फलों आदि की महा प्रसादी वितरित की।

रोग्यादेवी मंदिर पर नवदुर्गा महोत्सव की तैयारी शुरू

माही की गूंज, खवासा। प्राचीन मां रोग्यादेवी मंदिर पर सोमवार को नवदुर्गा महोत्सव समिति की बैठक रखी गई। इस वर्ष 26 सितंबर से शारदीय नवरात्री की शुरुआत होना है। जिसके लिए नवरात्री महोत्सव के लिए स्थानीय स्तर पर विशाल आयोजन को लेकर कई मुद्दों पर बिंदुवार चर्चा की गई। बैठक में विशेष रूप से मां रोग्यादेवी के परम भक्त भेरूलाल जी परमार के साथ मातृशक्ति गिरजाबेन व्यास, शंकर खराड़ी, आशीष सोलंकी, अशोक चौहान, धर्मेंद्र चौहान, आशीष कोठारी, सम्राट चोपड़ा, अतुल जैन, बलराम वैरागी, अनिल चोपड़ा, संदीप वागरेचा, कुणाल पाटीदार, विमल चौहान, लखन चौहान, अनिरुद्ध जाट, कृष्णा चौहान, मयूर चौहान, जीतेंद्र सिंह गेहलोत, प्रद्युमन वैरागी, शुभम परमार, ललित चौहान, ऋतिक परमार, यश परमार, क्रिश चौहान, आयुष पाटीदार, लव व्यास आदि सदस्यों ने सर्वानुमति से आशीष सोलंकी को अध्यक्ष, धर्मेंद्र बाबूलाल चौहान को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं कोषाध्यक्ष आशीष कोठारी, सचिव व सह कोषाध्यक्ष अतुल जैन को नियुक्त किया गया। उक्त बैठक एवं कमेटी के गठन के बाद से ही नवदुर्गा महोत्सव की तैयारी शुरू कर दी गई। बस स्टैंड के समीप चमत्कारी हनुमान मंदिर पर भी संकट मोचक मित्र मंडल की बैठक रखी। 11 वे नवरात्री महोत्सव के लिए बैठक रखी गई, जिसमें मनोज चौहान को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष अंकित कहार, कोषाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह चुंडावत, सचिव कुशालसिंह सिसोदिया, सचिव विशाल राठौड़, कार्यालय मंत्री रवि सेन को बनाया गया। सरंक्षक के रूप में विशेष तौर पर संतोष लोहार, इंदरमल चौहान रहेंगे। बैठक में सुरेश लोहार, लोकेन्द्र चौहान, कमलेश लोहार, दीपक केलोत्रा, राघवेंद्र सिंह चुंडावत, जयेश रावत, अनिल लोहार, प्रभात लोहार उपस्थित थे।

तेजा दशमी पर रतलाम निवासी सिसोदिया परिवार ने फहराई ध्वजा

माही की गूंज, आम्बुआ।

वर्ष में एक बार मनाया जाने वाला तेजा दशमी उत्सव क्षेत्र में अलीराजपुर स्थित रामदेव मंदिर पर मनाया जाता है। मगर आम्बुआ में वर्षों से खवासा निवासी वर्तमान में रतलाम रह रहे भूपेंद्र सिसोदिया के पूर्वज (परिवार) आम्बुआ में शंकर मंदिर प्रांगण में वीर तेजाजी के सम्मान में ÷निशान÷ ध्वजा चढ़ाते आ रहे हैं। इस वर्ष भी सिसोदिया परिवार ने रतलाम से आकर तेजा दशमी पर कस्बा आम्बुआ में ढोल-ठमाके के साथ ध्वज के साथ जुलूस निकाला तथा शंकर मंदिर प्रांगण में ध्वजा फहराई तथा पूजा-अर्चना की। इस कार्यक्रम में आम्बुआ के उनके कई रिश्तेदार, इष्ट मित्र आदि सम्मानित हुए। स्मरण रहे कि, सिसोदिया परिवार प्रतिवर्ष यह निशान (ध्वजा) आम्बुआ में तेजा जी मंदिर नहीं होने के बावजूद मंदिर प्रांगण में चढ़ाते आ रहे हैं।

नगरीय निकाय निर्वाचन के मद्देनजर धारा 144 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अलीराजपुर श्रीमती संस्कृति जैन ने नगरीय निकाय आम निवार्चन 2022 का निवार्चन कायर्क्रम घोषित होने नगरीय निकाय आम निवार्चन निर्विघ्न, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से निवार्चन सम्पन्न कराने के उद्देश्य से सम्पूर्ण जिले की नगरपालिका अलीराजपुर, जोबट, चंद्रशेखर आजाद नगर की सीमांन्तगर्त दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अन्तगर्त प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। इस आदेश के तहत अलीराजपुर जिले की सीमा के अन्दर कोई भी व्यक्तिए समूह या राजनैतिक या गैर-राजनैतिक दल या अन्य आमसभा, जुलूस या प्रदर्शन लाउडस्पीकर का उपयोग बिना सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के नहीं करेंगे। कोई भी व्यक्ति समूह राजनैतिक गैर-राजनैतिक दल या अन्य किसी भी प्रकार का धरना प्रदर्शन या घेराव नहीं करेंगे। कोई भी व्यक्ति समूहए राजनैतिक दल या गैर-राजनैतिक दल या अन्य जुलूस आमसभा धरना या अन्य कायर्क्रम में यातायात अवरूद्ध नहीं करेंगे। लाउडस्पीकर पर उत्तेजक एवं भड़काऊ भाषणबाजी नहीं की जाएगी। सक्षम अधिकारी द्वारा दी गई अनुमति के उपरांत ही नियत स्थल पर समय-सीमा अन्तगर्त लाउडस्पीकार का उपयोग किया जा सकेगा। आमसभा या जुलूस या अन्य सावर्जनिक कायर्क्रम की दी गई अनुमति के अनुसार ही निधार्रित स्थल पर व समय-सीमा अन्तगर्त आयोजित होंगे एवं जुलूसों का मार्ग दी गई अनुमति के अनुसार ही होगा। कोई भी व्यक्ति जिसमें शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी व्यक्ति भी शामिल है। सम्पूर्ण निवार्चन प्रक्रिया के दौरान आग्नेय शस्त्र या धारदार हथियार लेकर विचरण नहीं करेगा तथा अस्त्र-शस्त्र धारक के द्वारा मकान की चारदीवारी के अन्दर ही रखे जाएंगे एवं आवश्यक आदेश प्रसारित होने पर शस्त्र पुलिस थाने में जमा कराये जावेंगे। सम्पूर्ण निवार्चन प्रक्रिया के दौरान कोई भी व्यक्ति घातक अस्त्र जैसे-फरसा, फालिया, वल्लम, तलवार, भाला, चाकू, घूरा, कुल्हाड़ी, बरछी, त्रिशूल, लाठी इत्यादि लेकर नहीं निकलेगा एवं न ही उपयोग एवं प्रदशर्न कर सकेगा। किसी भी सावर्जनिक स्थल पर फटाका एवं अन्य विस्फोटक सामग्री ज्वलनशील पदार्थ मशाल आदि का उपयोग एवं प्रदशर्न नहीं कर सकेगा। जिले की सीमा में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति संबंधित थाने में मुसाफिरी की सूचना देगा। होटल, लॉज, सराय के मालिक प्रबंधक उनके यहॉ ठहरने वाले व्यक्तियों की दैनिक जानकारी संबंधित थाना प्रभारी को देंगे। मकान मालिक उनके किरायेदारों की सम्पूर्ण जानकारी संबंधित थानों में देंगे। कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म जैसे व्हाटसअप, फेसबुक, हाइक, ट्रिवटर, एसएमएस, इंस्टाग्राम इत्यादि का दुरूपयोग कर धामिर्क, सामाजिक, जातिगत भावनाओं एवं विद्वेश को भड़काने के लिए किसी प्रकार के संदेशों का प्रसारण नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति उपरोक्त वर्णित सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म में किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक एवं उन्माद फैलाने वाले संदेश फोटो ऑडियो-वीडियो इत्यादि सम्मिलित है। जिससे धार्मिक सामाजिक जातिगत आदि भावना भड़क सकती है। या साम्प्रदायिक विद्वेष पैदा हो प्रसारित नहीं करेगा या भेजेगा। सोशल मीडिया के किसी भी पोस्ट जिसमें धार्मिक साम्प्रदायिक तथा जातिगत भावनाएं भड़क सकती होए को कमेंट लाइक शेयर या फारवर्ड नहीं करेगा। ग्रुप एडमिन की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि वह ग्रुप में इस प्रकार के संदेशों को रोके। कोई भी व्यक्ति सामुदायिक धार्मिक जातिगत विदवेष फैलाने या लोगों तक अथवा समुदाय के मध्य घृणा वैमनस्यता पैदा करने के या दुष्प्रेरित करने या उकसाने या हिंसा फैलाने का प्रयास उपरोक्त माध्यमों से नहीं करेगा और न ही इसके लिए प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति अफवाह या तथ्यों को तोड-मरोड़ कर भड़काने उन्माद उत्पन्न करने वाले संदेश जिससे लोगों या समुदाय विशेष में हिंसा या गैर-कानूनी गतिविधियों उत्पन्न हो जाए को प्रसारित नहीं करेगा और न ही लाइक शेयर या फॉरवर्ड करेगा तथा न ही ऐसा करने के लिए किसी को प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति समुदाय ऐसे संदेशों को प्रसारित नहीं करेगा जिनसे किसी व्यक्ति संगठन समुदाय आदि को एक स्थान पर एक राय होकर जमा होने या कोई विशेष कार्य गैर-कानूनी गतिविधियों को करने हेतु आव्हान किया गया हो। जिससे कानून एवं शांति व्यवस्था भंग होने की प्रबंल संभावना विद्धमान हो। उक्त आदेश वदीर्धारी पुलिस, सशस्त्र बल सेना तथा वदीर्धारी अर्द्ध सैनिक बल कानून व्यवस्था हेतु नियुक्त पदाधिकारियों पर लागू नहीं होगा। उक्त आदेश का उल्लंघन करने पर धारा 188 अन्तगर्त दण्ड के भागी होंगे।

नगर परिषद चुनाव की बड़ी गहमा-गहमी

एक अद्दत आदिवासी नेता को तरसता पेटलावद, भाजपा-कांग्रेस की ओर से अब आदिवासी कर्मचारी कर रहे है टिकिट का दावा

दोनों दल चारों एसटी सीट पर उतारेंगे महिला प्रत्याशी, नहीं आया सामने कोई मजबूत नाम

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

चुनाव की घोषणा के बाद से चुनाव लड़ने वालों होड़ मची हुई है। बदली हुई प्रक्रिया में पार्षद को ही इस बार अध्यक्ष चुनना है, जिसके चलते पार्षद पद के लिए मारा-मारी और अधिक बढ़ गई है। सबसे बड़ी बात नगर परिषद की अध्यक्ष की कुर्सी पहली बार एसटी कोटे के खाते में चली गई, वो भी महिला के लिए आरक्षित होने से दोनों मुख्य दल के लिए चुनोती बढ़ गई। बात करे पेटलावद की राजनीति की तो यहां भाजपा और कांग्रेस को नगर ने बड़े-बड़े दिग्गज नेता दिए है, जिनकी पेठ भोपाल और दिल्ली स्तर पर है। लेकिन जितने भी बड़े नेता यहां से निकले है वो सामान्य और पिछड़ा वर्ग के है, आदिवासी जिला होने के बाद भी एक अद्दत आदिवासी नेता यहां दोनों दल तैयार नही कर सके। जिसके चलते अध्यक्ष पद के लिए अब तक कोई नाम सामने नही आया है और जो नाम सामने आ रहे है वो कही से कही तक स्वतंत्र नेता नही होकर नगर में किसी न किसी नेता की कठपुतली है, ऐसे में दोनों दलों के सामने चुनोती गंभीर है।

बात करे जिले की अन्य नगर परिषद और नगर पालिका मेघनगर, थांदला, राणापुर और झाबुआ की तो यहां दोनों दलों के पास आदिवासी नेताओ की लंबी सूची है। वही पेटलावद नगर में कोई आदिवासी नेता नही है जिसके पीछे कही न कही पूर्व विधायक निर्मला भूरिया की राजनीति है। जिन्होंने न केवल नगर बल्कि पूरी विधानसभा में अब कोई आदिवासी नेता तैयार नही होने दिया जो भविष्य में उनके राजनीतिक जीवन मे चुनोती देता नजर आए।

चार वार्ड एसटी के लिए आरक्षित, दो महिला और दो पुरूष, चारों पर मुख्य दलों की ओर से महिला प्रतयाशी के उतरने की संभावना

नगर में कुल 15 वार्ड है जिसमे से वार्ड क्रमांक 03, 07, 13 और 15 एसटी वर्ग के लिए आरक्षित किए गए है। वार्ड क्रमांक 03 और 13 अजजा मुक्त जबकि 07 और 15 अजजा महिला के लिए आरक्षित किए गए है। चूंकि अध्यक्ष पद एसटी महिला के लिए आरक्षित है इसलिए इन चार वार्डो से ही अध्यक्ष बनना तय है। लेकिन जिस प्रकार की स्थिति नगर में आदिवासी नेताओ को लेकर बनी हुई है उससे साफ है कि दोनों दल इन चारों वार्डो से महिला प्रत्याशियों को ही मैदान में उतरेंगे। क्योकि महिला वार्ड में हार मिलने के बाद अध्यक्ष पद के सपने चूर हो जायेगे। वही अन्य दल और निर्दलीय भी आदिवासी मुक्त वार्ड में आदिवासी पुरूष या स्वयं उतरने की बजाए महिला प्रत्याशी और पत्नी को मैदान में उतार रहे है ताकि जीत के साथ दोनों दल अध्यक्ष पद के लिये उनसे समझौता करे।

आदिवासी नेता की कमी का फायदा उठा कर दावेदारी कर रहे कई कर्मचारी

ये केवल भाजपा सरकार में ही सम्भव है कि यहाँ सरकारी मुलाजिम पूरी ताकत से नोकरी के साथ-साथ नेतागिरी करते है और समय आने पर मुख्य दलों की और से दावेदारी करने में नही चूकते। हालात पेटलावद नगर परिषद जैसे हो तो फिर इन कर्मचारियों के मज़े है, जिनके पास खुद दल के नेता पहुँच कर नोकरी छोड़ चुनाव लड़ने के ऑफर देते है। यहां नगर परिषद चुनाव में भी ऐसे ही हालत है लगभग 05 से 07 कर्मचारी जो कि शिक्षा, राजस्व, स्वास्थ्य, पंचायत विभाग से जुड़े है। अध्यक्ष पद की चाह में खुद या पत्नी को चुनाव लडवाने के लिए मैदान में उतारने की तैयारी में है और मुख्य दल खास कर सत्ता पक्ष से टिकिट की मांग कर रहे है। कार्यकर्ता छोड़ कर्मचारी पसंद भाजपा भी इन कर्मचारियों पर दांव खेलने की तैयारी में है। वही नगर में जमीन तलाशती कांग्रेस का भी पूरा फोकस मुख्य रूप से इन चार एसटी सीटों पर ही जहा जीत दर्ज कर अध्यक्ष खुद का बिठा सके।

बहारी नेता भी दे रहे आमद, कई पंचायत चुनाव में उतर कर खो चुके दावेदारी

बढ़ते शहरीकरण के चलते विकास खण्ड की कई पंचायतो के कर्मचारियों के साथ-साथ आस पास क्षेत्र के कई नेता भी नगर में निवासरत है। इनके नाम भी नगर परिषद की मतदाता सूची में दर्ज है लेकिन ज्यादातर नेता ग्राम पंचायत के चुनाव में या तो चुनाव लड़ चुके है या अपने मतों का प्रयोग कर चुके है। ऐसे में उनका यहां से चुनाव लड़ने का सपना टूट गया है।

अनारक्षित सीटों से भी उतर सकता है आदिवासी चेहरा

भाजपा-कांग्रेस अपनी अपनी और से न केवल एसटी आरक्षित वार्डो में बल्कि अपने सबसे सुरक्षित वार्ड जो अनारक्षित है। उनसे भी कोई पढ़ा लिखा आदिवासी चेहरा उतार सकते है, ताकि अध्यक्ष पद को लेकर किसी प्रकार की परेशानी चुनाव के बाद न हो। हालांकि अन्य दावेदारों की संख्या इतनी ज्यादा है कि इसके चांस बहुत कम है लेकिन यदि पार्टी तय करेगी तो दावेदारों को अपने हाथ खींचना पड़ सकते है। जो भी हो इस बार के चुनाव बेहत ही रोचक रहने वाला है। भाजपा के खाते की ये सीट इस बार मुश्किल में दिख रही है क्योंकि की पिछली परिषद के ज्यादातर पार्षद आम जनता की उम्मीदों पर खरे नही उतरे है और कई वार्डो में पार्टी से जुड़े लोग भी आम जनता की नाराजगी को देख कर निर्दलीय उतरने का मन बना चुके है।

प्रशासन की ओर से झोलाछाप डॉक्टरों को लोगों की जान से खिलवाड़ करने की है पूरी छुट

माही की गूंज ,झाबुआ/खवासा

जिले में कई बांग्लादेशी व बंगाली आकर प्रशासन व स्थानीय निकायों के रहमों करम से फर्जी रूप से स्थानीय नामांतरण करवा कर छोटी-बड़ी डिग्री हासिल कर एलोपैथिक व डेंटिस्ट यानी एमबीबीएस व एमडी डॉक्टर की तर्ज पर लोगों की जान से खिलवाड़ कर इलाज कर रहे हैं। जिले का स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन कभी-कभार एक मुहिम के साथ अपनी नाक बचाने के लिए इक्का-दुक्का कार्रवाई कर अपनी वाह-वाही लूटता है। वर्तमान में ही कुछ इसी तरह जिले में कुछ स्थानों पर झोलाछाप बांग्लादेशी एवं बंगाली डॉक्टर के क्लीनिक पर कार्रवाई कर स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन अपनी सक्रियता का परिचय देने का प्रयास कर कार्रवाई के नाम पर ढकोसला कर रहे हैं। वहीं बुधवार को जिला स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन का खुला खेल खवासा में देखने को मिला। डिप्टी कलेक्टर सुनील झा व सीएमएचओ डॉ जेपीएस ठाकुर ने अपने दल के साथ खवासा में कुमार मोहल्ले में स्थित बांग्लादेशी अजीत राय जोकि कई समय से डेंटिश व एलोपैथिक का बिना डिग्री का इलाज कर लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहा है के यहां छापामार कार्रवाई की गई, जिसके बाद डिप्टी कलेक्टर एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने साठ-गांठ कर अजीत राय को क्लीन चिट दे दी। बताया जा रहा है, डिप्टी कलेक्टर व जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने अपने दल के साथ अजीत राय के यहां चोरी की दवाईयां जप्त की व फर्ज रूप से इलाज करने का पंचनामा भी बनाया, कुछ जानकार बता रहे हैं कि, पंचनामा को रफा-दफा करने के लिए मौके पर अजीत राय ने अपील की जिसके एवज में अधिकारियों के गुर्गों ने 2 लाख रुपये में मामला सेटल हो जाने की बात कही, जिस पर अजीत राय ने तुरंत हां कर दी।

जिसके बाद अजीत राय को छोड़कर डिप्टी कलेक्टर सुनील झा व सीएमएचओ ने अपना अलग-अलग रास्ता नाप खवासा से रवाना हो गए। जैसे ही यह बात पत्रकारों को पता चली तो पुलिस चौकी में संपर्क किया, लेकिन चौकी से बताया यहां कोई मामला स्वास्थ्य विभाग द्वारा दर्ज नहीं करवाया गया है।

बीएमओ अनिल बघेल से चर्चा की तो बताया, कुछ मामला तो हुआ है, पर मुझे नहीं मालुम, मैं हरीनगर में हूं आपके अलावा अन्य लोगों के भी फ़ोन जानकारी के लिए मुझे आ रहे हैं।

सीएचएमओ से फोन पर चर्चा हुई तो कहा, हाँ मामला तो हुआ है, मैं रास्ते में हूं, आवाज नहीं आ रही है, बाद में बात करते है, तो वहीं एक पत्रकार को ठाकुर साहब ने बताया कि, डिप्टी कलेक्टर ने कार्रवाई की है। मैं तो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ही बैठा था, हमारा दल बूस्टर डोज़ अभियान के तहत क्षेत्र के भ्रमण पर है।

इस संबंध में डिप्टी कलेक्टर सुनील झा से 7000303626 पर बात करने हेतु संपर्क कर एक से अधिक बार फोन लगाने पर भी फोन अटेंड नहीं किया। वही अपने स्वार्थ पूर्ति करने के लिए कार्रवाई के करीब दो-तीन घंटे बाद बांग्लादेशी अजीत राय कुछ अपने चहेते को कहकर घर से निकला कि, झाबुआ जाकर साहब को पैसे देकर आना है और अजीत राय झाबुआ के लिए अपनी कार से निकला।

उक्त स्वास्थ्य विभाग व प्रशासनिक कार्रवाई के बाद यह स्पष्ट है कि, खवासा सहित क्षेत्र या जिले में इन सभी फर्जी बांग्लादेशियों को प्रशासन की और से लोगों की जान से खिलवाड़ करने की पूरी छूट दे दी गई है।

चार माह 25 दिन में ही हुआ चौकी प्रभारी बघेल का स्थांतरण, नये चौकी प्रभारी श्री कनास

माही के गूंज, खवासा।

पेटलावद थाने की सारंगी चौकी पर रहे चौकी प्रभारी अशोक बघेल का 6 अप्रैल 2022 को एसपी द्वारा जिले में स्थानांतरण कीं 37 पुलिसकर्मी की सुची में सातवें नंबर पर नाम होकर खवासा स्थानांतरण किया गया था। वहीं जैसे ही अशोक बघेल ने खवासा चौकी प्रभारी का पद संभ्भाला, वैसे ही प्रथम शांति समिति की बैठक के साथ ही उनकी कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगकर क्षेत्र की चर्चा में आ गए थे। इन्होंने शांति समिति की बैठक में महावीर जयंती और हनुमान जयंती के पावन धार्मिक पर्व के दौरान भी शराब दुकानों व मांस की दुकानों को बंद करवाने के सुझाव के बाद भी अशोक बघेल साहब ने अपनी निजी कार्यप्रणाली के चलते एक दिन भी अवैध शराब दुकान बंद नहीं करवा पाए। वही हनुमान जयंती और महावीर जयंती के दिन खुले में शराब के अड्डों पर अवैध शराब बिकवाई। तात्कालिक उक्त चौकी प्रभारी व अवैध शराब कारोबारी की सांठ-गांठ व उनकी कारस्तानी को माही की गूंज में प्रकाशित किया, तो खवासा के सभी शराब के अवैध अड्डों के संचालक को चौकी पर बुलाकर मीटिंग की और माही की गूंज से किसकी क्या-क्या बात हुई, जानकारी लेने के साथ तत्कालिक चौकी प्रभारी अशोक बघेल ने अवैध शराब संचालकों को बताया कि, माही की गूंज में समाचार छपने के बाद अधिकारी द्वारा दबाव बनाया जा रहा है।

नवीन चौकी प्रभारी जगन्नाथ कनास

उसके बाद अवैध संचालकों ने चौकी प्रभारी से सांठ-गांठ की व 5-5 हजार रुपए प्रत्येक अवैध शराब अड्डों के संचालक ने चौकी प्रभारी को देकर, शराब के अड्डों पर जाकर अवैध शराब बेचना शुरू कर दिया। वहीं अवैध शराब संचालक माही की गूंज पोर्टल में प्रकाशित समाचार व 5-5 हजार रुपए तक चौकी प्रभारी को देकर उनकी नाराजगी को खत्म किए जाने के बात आम चर्चा में करते रहे।

इतना ही नहीं अशोक बघेल के ऐसे भी कारनामे आये, जिसमें नाबालिक लड़कियों को भगा ले जाने व पीडित की और से दी गई रिपोर्ट पर आरोपित व्यक्तियो के विरुद्ध मामला दर्ज नहीं करने के 50 हजार से 1-1 लाख तक की मांग की चर्चा क्षेत्र में आज भी हो रही है। ऐसी कई अपनी मनमानी के साथ कार्यप्रणाली के चलते 6 अप्रैल को खवासा चौकी पर आये चौकी प्रभारी का स्थानांतरण 1 सितंबर की जारी ट्रांसफर सूची में प्रथम स्थान पर नाम होकर थांदला थाने पर 4 माह 25 दिन में स्थानांतरण कर दिया गया। वहीं थांदला थाने से ही खवासा के नये चौकी प्रभारी के रूप में जगन्नाथ कनास का स्थानांतरण किया गया।

जगन्नाथ कनास के चौकी प्रभारी के रूप में चार्ज लेने के बाद ही एक ही रात में क्षेत्र के ग्राम देवगढ़ में 1 से अधिक स्थानों पर चोरी की वारदात हो जाने के बाद चर्चा है कि, क्या नवीन चौकी प्रभारी देवगढ़ में हुई चोरी का मामला दर्ज कर आरोपियों तक पहुंचेंगे या फिर पूर्व चौकी प्रभारी की तर्ज पर जिस तरह ढोलखरा में हुई चोरियों के बाद मामले को रफा-दफा कर दिया गया था। इसी तरह देवगढ़ में चोरियों का भी मामला रफा-दफा हो जाएगा...?

भाजपाई परिषद में करोड़ों खर्च के बाद नगर विकास शून्य

नगरीय निकाय चुनावों के लिए बजा बिगुल, दांवेदार लगा रहे टिकट की जुगाड़

माही की गूंज,झाबुआ/थांदला। धर्मेंद्र पंचाल

निकाय चुनावों की तारीखों की घोषणा के बाद नगर में वार्ड पार्षद बनने के इच्छुक लोग अपने-अपने दांवों और वादों से नगर की जनता के बीच पहुंचने की कोशिश करने लगे है। इसी के साथ ही कांग्रेस-बीजेपी ने उम्मीद्वारों के नाम पर मंथन शुरू कर दिया है। जहां भाजपा में हर वार्ड में एक अनार, सौ बीमार वाली स्थिति है, तो वहीं कांग्रेस को कुछ वार्डों में उम्मीद्वार ढूंढना पड़ रहे हैं। इस बार आम आदमी पार्टी और अन्य संगठन भी कुछ वार्डों में भाग्य अजमा सकते है। चुनावी विश्लेषकों का मानना है कि, हर वार्ड में त्रिकोणीय मुकाबला जरूर होगा।

कुल 15 वार्डों में 12 हजार मतदाता करेंगे फैसला

झाबुआ जिले की सबसे बदनाम व भ्रष्ट नगर पंचायत के नाम में विख्यात थांदला नगर परिषद में कुल 15 वार्ड हैं। जिसमें वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार कुल आबादी 15756 है। जिसमें पुरूषों की संख्या 8282 है, तो वहीं महिलाओं की संख्या 7474 है।

चुनाव आयोग से जारी आंकड़ों के अनुसार थांदला नगर परिषद चुनाव के लिए कुल मतदाता 12002 है। जिसमें 5869 पुरूष, 6132 महिला उम्मीद्वारों के भाग्य का फैसला करेंगी।

वार्डों के आरक्षण में 5 वार्ड अजजा, 1 अजा, 1 पिछड़ा वर्ग के साथ 8 वार्ड सामान्य के लिए आरक्षित किए गए है। वर्तमान चुनाव में अजजा महिला, अध्यक्ष पद के लिए पार्षदों द्वारा चुनी जानी है। ऐसे में वार्ड क्रमांक 1, 3, 15 से उम्मीद्वारों की संख्या ज्यादा है क्योंकि अध्यक्ष पद का रास्ता इन्हीं वार्डों से होकर गुजरेगा। जो अजजा महिला यहां से जीत दर्ज करेगी, उसको अध्यक्ष पद मिलने की संभावना ज्यादा है।

मनमानी, भ्रष्टाचार पर विचार करेगी जनता

पिछली परिषद की बात करें तो इन्होंने मनमानी और भ्रष्टाचार के कई रिकॉर्ड बनाए है। जिसमें पुरानी पोस्ट आफिस वाली भूमि की लीज हो या 62 व्यवसायी दुकानों की लीज प्रकिया हो या फिर केशव उद्यान को बर्बाद कर भूमाफियाओं को आबाद करने का कृत्य जैसे अनेक मामले हैं। वार्ड 1, 3, 9 में सीसी रोड़ निर्माण में खुलकर अनियमितता और भ्रष्टाचार का मामला हो। आपको बता दें कि, यह सब उस पार्टी से अध्यक्ष पद के उम्मीद्वार के कार्यकाल में हुआ, जो चाल, चरित्र और चेहरे की बात करती है। वर्ष 2017 में भाजपा से अध्यक्ष पद के उम्मीद्वार बंटी (सोहन) डामोर को नगर की जनता ने खूब आशीर्वाद रूपी मत देकर विजय बनाया था। नतीजा 5 साल बाद नगर परिषद पर 3 करोड़ से अधिक का कर्ज बकाया है। ऐसे में इस बार जनता इन सब चीजों पर विचार कर मतदान करेगी। चूंकि इस परिषद की कारस्तानियों से मीडिया और सोशल मीडिया भरा पड़ा है।

पांच वर्ष के कार्यकाल के दौरान यहां यह भी गौर करने वाली बात है कि, बंटी (सोहन) डामोर पूरे कार्यकाल के दौरान रिमोट से चलने वाले खिलौने की तरह ही काम करते रहे। जिसका सीधा और बड़ा लाभ हम निवाले विश्वास को हुआ। तो वहीं केशव उद्यान को उजाड़ कर सीसी रोड़ बनाकर निजी कॉलोनाइजरों की भूमि की कीमतों को आसमान छू लेने के लिए पूरी मदद की गई। इस दौरान भाजपा नेताओं के दबाव में प्रशासन भी मूकदर्शक बनकर देखता रहा।

सरकार के विकास के दावों की निकाल दी हवा

प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान प्रदेश के हर जिले, नगर, गाँव-गाँव के विकास की बातें कहते नहीं थकते हैं। यहां तक कि, केबिनेट की बैठकों में जिलों के प्रभारी मंत्रियों को भी कहते रहे है कि, विकास कार्यों की समीक्षा होती रहनी चाहिये। पर कथनी और करनी में अंतर थांदला नगर में साफ तौर पर देखा जा सकता है। नगर का प्रमुख बस स्टैंड इन 5 सालों में विकास की राह देखता रहा। परंतु भाजपाई परिषद की बस यहां से कोसों दूर खड़ी रही। नतीज़ा आम शहरी से लेकर नागरिक परेशान हुए। महिलाओं के लिए सुलभ शौचालय नहीं होना, महिला यात्रियों की परेशानियों को आज भी बढ़ा रहा है। तो वहीं बाले-बाले यात्री प्रतिक्षालय के चारों तरफ अवैध निर्माण हुए, जिसमें परिषद के जिम्मेदारों की मौन स्वीकृति रही।

इसके साथ ही नौगावां मुक्तिधाम पर नगर परिषद द्वारा उसके विकास के आधे-अधूरे प्रयास किए। जिसके कारण शवदाह तक के लिए लोग को काफी समस्याएं उठानी पड़ती है। इन सब समस्याओं को दूर करने के लिए नगर की स्वसंसेवी संस्था सार्थक परिवार को आगे आना पड़ रहा है। मतलब साफ है नगर परिषद ने यहां भी कोई विकास कार्य नहीं किए।

ट्रेचिंग ग्राउंड आज भी मुसीबत बना हुआ

थांदला का ट्रेचिंग ग्राउंड इन पांच वर्षों में कई बार मीडिया की सुर्खियों में रहा। यहां तक की वर्तमान कलेक्टर सोमेश मिश्रा तक को यहां जमीनी हालात देखने को आना पड़ा। उनके प्रयास से सिर्फ बाउंड्री वॉल का निर्माण ही हो सका। जिसके बाद भी नवोदय विद्यालय के छात्रों, स्टाफ और ग्रामीणों की समस्या यथावत बनी हुई है।

यहां पर नगर परिषद की और से कम्पोस्ट खाद के बनाने के प्रयोग में शासन के लाखों रूपए फूंक दिए गए। नतीजन आज तक किसी प्रकार के परिणाम नज़र नहीं आए। तो वहीं इस परिषद के कार्यकाल में ट्रेचिंग ग्राउंड पर जेसीबी कार्यों को लेकर लाखों रूपए के बिल लगा कर शासन को चूना लगाया गया।

सीसीटीवी कैमरे किसी काम के नहीं

नगर परिषद अध्यक्ष हेतु बंटी डामोर के चुनावी घोषणा पत्र में शामिल सीसीटीवी पर जरूर काम हुआ। लगभग 55 लाख रूपए की लागत से नगर के प्रमुख चौराहों पर कैमरे लगाए गए थे। परंतु वह आज किसी भी काम के नहीं है। चाहे चोरों को पकड़ने में मदद हो या आजाद चौक में शहीद चंद्रशेखर आजाद की बंदूक से छेड़छाड़ का मामला हो, आज तक किसी भी मामले में यह कैमरे उपयोगी सिद्ध नहीं हुए है। उसकी उपयोगिता व रखरखाव की स्पष्ट तस्वीर देखनी हो तो थाने में लगे कंट्रोल रूम की स्क्रीन देखी जा सकती है।

- मुक्तिधाम पर सार्थक परिवार ने बनवाया टीन शेड़।

- ट्रेंचिंग ग्राउंड की समस्या जस की तस। नवोदय के बच्चे परेशान। आज तक नहीं बनी कम्पोस्ट खाद।

पुलिस थाना थांदला में लगी स्क्रीन। जिस पर साफ दिख रहा है नगर परिषद के कैमरे कितने काम कर रहे है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422